

परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा द्वारा दिल्ली के सभी अधिकृत वाहन स्क्रेप डीलरों की मान्यता रद्द करने के बाद भी अपने द्वारा किए जा रहे वाहन मालिकों को परेशान करते रहने के लिए व्यवसायिक वाहन को स्क्रेप करने के लिए अपनी इच्छा के वाहन स्क्रेप डीलर की वाहन स्क्रेप करने की मान्यता बनाई रखी और वाहन स्क्रेप की इजाजत भी शुरू रखी थी ?

संजय बाट्ला, संपादक

● ऑनलाइन प्रक्रिया उपलब्ध होने के बावजूद वाहन मालिक को परेशान करने में लिप्त अधिकारियों एवं ऐसी प्रणाली को चलाए रखने की इजाजत प्रदान करने वाले आला अधिकारी कि नष्पक्ष जांच एजेंसी द्वारा जांच के आदेश हेतु आज टोलावा अध्यक्ष ने दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्य सचिव को किया ई मेल

नई दिल्ली | भारत वर्ष में सर्वप्रथम फेस फ्री आनालाइन सुविधाएं उपलब्ध करवा कर का श्रेय प्राप्त कर रहे वाले परिवहन आयुक्त द्वारा ही दिल्ली के आनालाइन आवेदन सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद कार्य प्रणाली को करवा रखा है मैं नुअल, वह भी इतना जटिल की एक ही कार्य के लिए वहन मालिक/ नुमाइ के ओ आना पड़ता है एक बार की जगह 4 बार ।

दिल्ली परिवहन आयुक्त का फेस फ्री आनालाइन आवेदन सुविधा के दावे की सच्चाई तब खुल कर सामने आई जब एक वाहन चालक ने परिवहन विभाग द्वारा नो ड्यू सर्विफिकेट प्राप्त कर अपना वाहन भारत सरकार द्वारा पंजीकृत स्क्रेप डीलर से स्क्रेप करवा कर उसके पूर्व परमिट के लिए नए वाहन को खरीद कर लाने के लिए विभाग द्वारा दो जने वाली एल ओ.आई. की मांग की ।

जो बार खुल कर सामने आई वह अत्यंत चौकाने वाली निकली ओर साथ ही निकला फेस फ्री आनालाइन आवेदन सुविधा का सच

आपकी जानकारी के लिए बता दे पूरे भारत देश के सभी कार्यालयों में एमपी एन्ड/ रूल के अंतर्गत

एक व्यावसायिक वाहन मालिक अपने वाहन की परिवहन विभाग से सिर्फ तीन प्रकार की डिपॉजिट स्लिप प्राप्त कर सकता है

1. **रिप्लेसमेंट डिपोजिट स्लिप:-** जब भी कोई वाहन मालिक विभाग द्वारा ड्रा/ अन्य आवेदन के अनुसार व्यवसायिक गतिविधि करने के लिए कोई परमिट प्राप्त करता है और उसी परमिट के लिए पूराने वाहन की जगह उसी श्रेणी का नया वाहन बदलना चाहता है के लिए अनिवार्य

2. **ट्रांसफर ऑफ परमिट डिपोजिट स्लिप:-** यह डिपोजिट स्लिप को आवश्यकता तब होती है जब वाहन मालिक अपना वाहन और परमिट किसी दुसरे व्यक्ति को अपनी इच्छा या जरूरत के लिए प्रदान कर देता है,

3. परमानंद डिपोजिट रिलिफ - जव

वाहन मालिक अपने वाहन को किसी दूसरे को बेच रहा हो और अपना पूर्व प्राप्त परमिट उस वाहन मालिक को नहीं देना चाहता, इन तीनों प्रकार की डिपोजिट द्वारा ही सम्पूर्ण भारत देश में कार्य किया जाता है पर दिल्ली राज्य देश की राजधानी और भारत देश का पहला राज्य जहा परिहर्ता अनुकूल द्वारा पूर्ण रूप से फेस फ्री ऑनलाईन आवेदन से सेवा उपलब्ध करवाई गई है एव वाहन चालक को अपने पूर्व प्राप्त परमिट पर पुराने की जगह नया वाहन लाने के लिए रिप्लेसमेंट डिपोजिट रिलिफ को ऑनलाइन



प्रक्रिया क्यों?

यथा यह औनलाइन प्रक्रिया से ज्यादा सुरक्षित है ?
युनिफ़ाइड के पीछे दिल्ली परिवहन विभाग के इसका अधिकारियों की कोई खास सोच है ?
कुछ भी कारण हो पर इर इस प्रक्रिया से यह तो साफ है की कोई कभी यह जानना चाहता हो की यह परमिट कैसे और किस वर्ष में किस के तहत प्रदान किया गया तो उसका रिकॉर्ड मिलना बहुत कठिन ?
रिप्लेसमेंट डिपॉजिट मोड में वाहन के परमिट्स करने की इजाजत देने पर सिर्फ वाहन नम्बर बदलता है बाकी सारा डाटा यहां तक परमिट नम्बर वही रहता है की पहली बार किसी को विभाग द्वारा उपलब्ध करवाया गया था लेकिन दिल्ली परिवहन आयुक्त द्वारा

तलवा को भी मदद के लिए एंजा, सड़जी को सादर प्रणाम आपकी अवगत कराते हुए बड़ा दुःख हो रहा है कि सुनील प्रताप राजपूत श्री रामजीत राजपूत पता IL1St/352 संगम विहार नई दिल्ली ऑटो नंबर DL1RN 5661 एवम DL1RL 6363 DL1RL 7819 तीनों ऑटो 4 तारिख को पाइन बिल्टर स्क्रैप डीलर से स्क्रैप करवाई थी जो आज तक LOI नहीं दी गई आपके साथ आपके चैनल के माध्यम से हम अपनी आवाज परिवहन आयुक्त महोदय और परिवहन मंत्री दिल्ली सरकार से अनुरोध करते हैं की ऑटो चालक रोज कमा कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है जब 2 वहीने तक अपनी रोज की कमाई से वंचित हो कर भुखमरी और आत्महत्या जैसे कठिन कृत करने पर मजबूर न हो अगर कोई चालक ऐसा करता है तो उसकी जिम्मेदारी परिवहन विभाग और दिल्ली सरकार की होगी

एक महीने से उपर का समय बीत जाने पर जब टोलावा अध्यक्ष ने इस मामले के बारे में जानना चाहा तो जबामिला

नो ड्यू सर्टिफिकेट जारी तो किया गया है पर हम जो उसे एल ओ आई प्रदान करते समय मैनूल पीड करते थे वह इसमें नहीं हो पा रहा है क्योंकि स्क्रैप डीलर द्वारा वाहन पोर्टल पर ही वाहन स्क्रैप कर दिया है, जानने पर एक और बात सामने आई की ऑफिर नो ड्यू सर्टिफिकेट जो विभाग ने जारी किया था यन्वा वह अधिकारी की इच्छा के अनुसार जारी होता है बिना ऑनलाईन वाहन पोर्टल के ?

सवाल तो बहुत है पर जबवा देते वला कोई नहीं, सरल से ऑनलाईन या सवा उपल्थ होने पर भी एक वाहन मालिक को इतनी बार बुलाने के कारण ?

आवेदन सुविधा में वर्षों से उपलब्ध है की जगह वाहन मालिक को पहले अपना पूर्व परमिट रिजल्ट्समेंट की जगह परमानेंट डिपोजिट मोड में डिपोजिट करवाया जाता है,
फिर उसे नो ड्यू सर्टिफिकेट जो वाहन पोर्टल पर उपलब्ध है को मैनुअल दिया जाता है
फिर उसका वाहन स्कैन सर्टिफिकेट प्राप्त कर मैनुअल तरीके से कंप्यूटर वाहन पोर्टल पर फीड किया जाता है,
फिर उसको नया वाहन लाने के लिए

एल.ओ.आई. जारी की जाती हैं।
यहाँ यह आप सभी के लिए जानने की आवश्यकता है
की एल.ओ.आई. जारी करने का क्या
मतलब होता है:- (एल.ओ.आई) लेंटर ऑफ़
इंटेंटी यानी किसी वाहन मालिक को नया
परमिट प्रदान कर उसके लिए नया वाहन
खरीद कर लाने की इजाजत,
अब यहा क्या समझे
परिवहन विभाग द्वारा ऑनलाइन रिस्पेसमेंट
डिपॉजिट स्लिप की जगह इतना लम्बा और मैनुअल

दिल्ली की इन सड़कों पर 24 घंटे भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक, SA vs SL के मैच को लेकर डायवर्ट ट्रैफिक

परिवहन विशेष न्यूज

आईसीसी विश्व कप के दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच शनिवार को होने वाला क्रिकेट मैच अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित होगा। इसके लिए दिल्ली यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। दरियागंज से बहादुर शाह जफर मार्ग और गुरु नानक चौक से आसफ अली रोड तक सड़कों पर किसी भी भारी वाहन और बसों को चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

नई दिल्ली। आईसीसी विश्व कप के दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच शनिवार को होने वाला क्रिकेट मैच अरुण जेटली स्टेडियम में

आयोजित होगा। जनता की सुविधा और सुरक्षा कारणों से स्टेडियम में और उसके आसपास यातायात के कुछ प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके लिए दिल्ली यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है।

भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक
एडवाइजरी के अनुसार, दरियाजंग से बहादुरशाह जफर मार्ग और गुरु नानक चौक से आसफ अली रोड तक सड़कों पर किसी भी भारी वाहन और बसों को चलने की अनुमति नहीं दी जायेगी। वाहन चालक को शर्मावाग को दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक राजघाट से जवाहर लाल नेहरू मार्ग, कमला मार्केट से राजघाट तक जवाहर लाल नेहरू मार्ग, तुर्कमान गेट से दिल्ली गेट तक आसफ अली रोड और बहादुरशाह जफर मार्ग से बचकरण अग्रवाल चौक से दिल्ली गेट तक आने से बचने की सलाह दी गई है।

स्टेडियम में यहां से होगा प्रवेश
गेट नंबर 1, 2, 3, 4, 5, 6 और 7 स्टेडियम के दक्षिणी हिस्से में स्थित हैं और इन गेटों पर प्रवेश बहादुरशाह जफर मार्ग से किया जाएगा।

गेट नंबर 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14 और 15 स्टेडियम के पूर्वी हिस्से में स्थित हैं और इन गेटों पर प्रवेश अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल के बगल में जवाहर लाल नेहरू मार्ग से किया जाएगा।

गेट नंबर 16, 17 और 18 स्टेडियम के पश्चिमी तरफ स्थित हैं और इन गेटों पर प्रवेश मेट्रोएल पंप के पास बहादुरशाह जफर मार्ग से किया जाएगा।

यह रहेगा पार्किंग की व्यवस्था
स्टेडियम व उसके साथ लेबल वाहनों के लिए सीमित पार्किंग उपलब्ध है। विंडस्क्रीन पर कार पार्किंग लेबल का लगाना अनिवार्य है। पार्किंग लेबल पर वाहन का नंबर लिखा होना चाहिए।
कार पार्किंग लेबल धारकों को रिंग रोड, जवाहर नाला रोड मार्ग, आसफ अली रोड या बहादुरशाह जफर मार्ग (दिल्ली गेट पर यू मोड की अनुमति है) का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। पार्किंग स्थल पी 1, पी 3 और पी 4 में प्रवेश केवल बहादुरशाह जफर मार्ग (पेट्रोल पंप के पास) से होगा।

विश्व कप क्रिकेट मैच के दिन देर रात तक चलेगी मेट्रो

नई दिल्ली। विश्व कप क्रिकेट मैच के महानजर दिल्लीमेंट्रो रेसिंगनाम (डीएमआरसी) ने रात मेंट्रो के परिचालन का समय 20 मिनट से लेकर करीब सवा घंटे तक बढ़ा दिया है। इसाएलएदिल्ली के अरुण जेवली स्टेडियम मेंविश्वकपक्रिकेट के डे-नाइट मैच होने पर एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन को छोड़कर सभी कारोंको रात मेंट्रो रात में दफ्त तक चलेगी। ताकि क्रिकेट मैच देखने के बाद दर्शक आसानी से ट्रेनों से वापस आने घर पहुंच सकें। लिहाजा रविवार को भी ट्रेनों सेवा सामान्य दिनों के मुकाबले रात में बढ़े उल्लब्ध रहेगी।

सामान्य तौर पर रात में सभी ट्रांजिट स्टेशनों से आखिरी ट्रेनों ट्रेनें रात में 11 बजे उपलब्ध होती हैं। अरुण जेवली स्टेडियम में सात अक्टूबर, 11 अक्टूबर, 15 अक्टूबर, 25 अक्टूबर और छह नवंबर को डे-नाइट मैच है। इसके महानजर डीएमआरसी ने ट्रेनों ट्रांजिट स्टेशनों से खुलने वाली आखिरी ट्रेनों ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया है। वायलेट लाइन (कर्मचारी गेट-

बदरपुर-बल्लभगढ़) का दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन स्टैंडिडम के नजदीक है। इसलिए मैच खत्म होने के बाद मेट्रो में भीड़ बढ़ने की संभावना है। डीएमआरसी का कहना है कि मेट्रो के परिचालन के समय में परिवर्तन किए जाने से मेट्रो 24 अतिरिक्त फेरे लगाएगी। ताकि मैच खत्म होने के बाद दर्शकों को वापस लौटने में परेशानी न होने पाए। साथ ही मैच वाले दिन दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन पर अतिरिक्त कर्मचारी तैनात रहेंगे।

वायलेंट लाइन पर मौजूद दिल्ली गेट स्टेशन पर रेड और येलो लाइन के यात्री कश्मीरी गेट इंटरचेंज स्टेशन पर मेट्रो बदलकर पहुंच सकते हैं। ब्लू लाइन के यात्री मंडी हाउस, पिक लाइन के यात्री लाजपत नगर व मजेंटा लाइन के यात्री कालकाजी स्टेशन पर मेट्रो बदलकर सीधे दिल्ली गेट पहुंच सकते हैं। मैच वाले दिन कुछ ट्रांजिट स्टेशनों से आखिरी मेट्रो उपलब्ध होने का समय

रेडलाइनन्यूबस अड्डागाजियाबादस्टेशन: रात 11:30 बजे रिठाला स्टेशन: रात 11.35 बजे
येलो लाइन समयपुर बादली स्टेशन: रात 11.35 बजे
ब्लू लाइन द्वाराका सेक्टर 21 स्टेशन से नोएडा के लिए- रात 11.08 बजे
ग्रीन लाइन कीर्ति नगर स्टेशन: रात 12.10 बजे
इंद्रलोक स्टेशन: रात 12.20 बजे
वायप्लेट लाइन कस्मीरी गेट स्टेशन- रात 11.30 बजे
पिंक लाइन मजलिस पार्क स्टेशन- रात 11.20 बजे शिव विहार स्टेशन- रात 11.15 बजे
मजेंटा लाइन जनकपुरी पश्चिम स्टेशन- रात 11.40 बजे बोटेनिकल गार्डन स्टेशन- रात 12 बजे
ग्रे लाइन द्वाराका स्टेशन- रात 12.30 बजे ढांसा बस स्टैंड स्टेशन- रात 12.15 बजे समाप्त 6 अक्टूबर 2023

दिल्ली समेत पूरे NCR की हवा हुई 'खराब', ग्रेप ने बुलाई आपात बैठक; पहले चरण की पाबंदियां लागू

हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम होने और पराली का धुआं दिल्ली पहुँचने के साथ ही वायु गुणवत्ता बिगड़ने लगी है। शुक्रवार को दिल्ली की ही नहीं एनसीआर के सभी प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 200 को पार कर 'खराब' श्रेणी में पहुँच गया। दिल्ली का एक्यूआइ 212 दर्ज किया गया जबकि कई इलाकों में यह 300 को भी पार कर 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुँच गया।

नई दिल्ली। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम होना और पराली का धुआँ दिल्ली पहुँचने के साथ ही वातावरण गुणवत्ता बिगड़ने लग ही। शुक्रवार को दिल्ली हवा नहीं, एनसीआर के सभी प्रमुख शहरों में वातावरण गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 200 को पार कर 'खराब' श्रेणी में पहुँच गया। दिल्ली का एक्यूआइ 212 दर्ज किया गया, जबकि कई इलाकों में यह 200 को भी पार कर 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुँच गया।

सीपीसीबी की रिपोर्ट के अनुसार, एनसीआर वे शहरों का भी शुक्रवार को यही हाल रहा। इसी वे मईनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएनयूएम) की ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) की उप समिति ने शुक्रवार शाम आपात बैठक की और ग्रेप के पहले चरण की पाबंदियों सहित 2 सत्रीय एक्शन प्लान लागू करने की घोषणा की गई।

यही स्थिति बने रहने के आसार हैं। इसमें और ज्यादा गिरावट न हो, इसे ध्यान में रखते हुए ग्रेप के पहले चरण की पाबंदियों को कड़ाई से लागू कर अनिवार्य हो गया है।

रेस्तरां में कोयले के इस्तेमाल पर पूर्णतया रोक रहेगी। स्थानीय निकायों को नियमित रूप से कूड़ा उठाने, सड़कों को नियमित रूप से मशीन से सफाई करने और पानी का छिड़काव करने का निर्देश दिया गया है।

ऐसा रहा AQI

गुरुग्राम- 253
ग्रेटर नोएडा- 252
गाजियाबाद- 214
दिल्ली- 212
नोएडा- 210
फरीदाबाद- 205

**टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन
एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट**

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर
(152/02-03-2020) , एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर
उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन
नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-
2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय:- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4
पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड,
नियर बैंक ऑफ बड़ौदा दिल्ली 110042

10 जोखिम कारक जो बढ़ा देते हैं महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क, बदल लें ये आदतें भी

अक्टूबर महीने को विश्व भर में 'ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंथ' के रूप में मनाया जाता है। इस पूरे महीने कई ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें ब्रेस्ट कैंसर जैसी घातक बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। इसके लक्षणों, कारणों के बारे में जनकारी दी जाती है, ताकि महिलाएं समय रहते स्तन कैंसर (Breast Cancar) का इलाज शुरू करा कर अपने जीवन को बचा सके। दुनिया भर में महिलाओं में होने वाले कैंसर में स्तन कैंसर सबसे कॉमन है। हर साल लाखों महिलाएं इससे ग्रस्त होती हैं। आखिर किन कारणों से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है, इसके रिस्क फैक्टर्स क्या हैं, आइए जानते हैं।

कैसे होता है ब्रेस्ट कैंसर ?
कैंसरसेटर डॉट कॉम में छपी एक खबर के अनुसार, महिलाओं में स्तन कैंसर तब होता है, जब ब्रेस्ट की कोशिकाओं में डीएनए उत्परिवर्तित (Mutate) या परिवर्तित होने लगता है। इससे कोशिकाओं में वृद्धि और विभाजन को कंट्रोल करने वाले खास कार्य अक्षम हो जाते हैं। कुछ मामलों में, ये उत्परिवर्तित कोशिकाएं मर जाती हैं या प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा उन पर हमला किया जाता है। लेकिन कुछ कोशिकाएं प्रतिरक्षा प्रणाली से बच जाती हैं और अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं, जिससे ब्रेस्ट

में ट्यूमर बन जाता है।

ब्रेस्ट कैंसर होने के रिस्क फैक्टर्स
कई जोखिम कारक हैं, जो महिलाओं में स्तन कैंसर होने की संभावनाओं को बढ़ा देते हैं। इसमें कुछ ऐसे जोखिम कारक शामिल हैं, जिन्हें आप खुद से बदल नहीं सकते हैं, जैसे परिवार में ब्रेस्ट कैंसर होने की हिस्ट्री, जेनेटिक्स, अधिक उम्र होना। हालांकि, कुछ ऐसे भी रिस्क फैक्टर्स हैं, जिन्हें रोककर ब्रेस्ट कैंसर के विकास की संभावनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हालांकि, कई बार जिन महिलाओं में कैंसर होने का जोखिम रहता है, उन्हें ब्रेस्ट कैंसर नहीं होता, वहीं जिनमें रिस्क फैक्टर्स बिल्कुल नहीं होते, वे इस घातक कैंसर की चपेट में आ जाती हैं। हालांकि, हेल्दी लाइफस्टाइल को चुनकर इस गंभीर बीमारी से काफी हद तक खुद को सुरक्षित रख सकती हैं। कुछ अन्य रिस्क फैक्टर्स जो ब्रेस्ट कैंसर की संभावनाओं को बढ़ा सकते हैं, इस प्रकार हैं-

- 55 या इससे अधिक उम्र होने पर ब्रेस्ट कैंसर होने का रिस्क बढ़ जाता है।
- ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को बढ़ाने के लिए जेंडर भी है एक मुख्य कारण है। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में ये बीमारी काफी अधिक होती है।
- जो महिलाएं प्रतिदिन एल्कोहल का सेवन करती हैं, उनमें भी स्तन कैंसर होने की संभावना अधिक रहती है।

- यदि आप मोटापे से ग्रस्त हैं तो इससे ना सिर्फ डायबिटीज, हार्ट डिजीज होता है, बल्कि ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा भी बना रहता है।

- जो महिलाएं शारीरिक रूप से एक्टिव नहीं रहती हैं या कम चलती-फिरती हैं, उनमें ब्रेस्ट कैंसर होने का जोखिम काफी अधिक होता है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि आप प्रतिदिन एक्सरसाइज करें। ब्रिस्क वॉक, रनिंग, जॉगिंग आदि करें। जितना ही आप फिजिकली एक्टिव रहेंगी, उतनी ही फिट और हेल्दी रह सकती हैं।

- कई बार पीरियड्स 12 साल की उम्र से पहले होने और 55 साल की उम्र के बाद मेनोपॉज होने के कारण भी ब्रेस्ट कैंसर होने का जोखिम कुछ महिलाओं में बढ़ जाता है।

- मां बनने के बाद यदि आपने अपने शिशु को स्तनपान नहीं कराया, तो ब्रेस्ट कैंसर डेवलप होने की संभावना बढ़ सकती है। ऐसे में शिशु के जन्म के बाद 6 महीने जरूर ब्रेस्टफीड कराएं।

- यदि परिवार में ब्लड रिलेशन में किसी को ब्रेस्ट कैंसर हो चुका है तो इस घातक बीमारी के होने का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है।

- कई बर्थ कंट्रोल मेथड्स भी ब्रेस्ट कैंसर रिस्क को बढ़ा सकते हैं। कॉन्ट्रासेप्टिव का सेवन, बर्थ कंट्रोल शॉट, बर्थ कंट्रोल इम्प्लांट, बर्थ कंट्रोल स्किन पैचेज आदि के अधिक इस्तेमाल से भी इस कैंसर के होने का रिस्क बढ़ सकता है।



'वरदान' है ये औषधीय पौधा, चेहरे की झुर्रियों से लेकर जोड़ों के दर्द का रामबाण ! कई बीमारियों का भी दुश्मन

अशोक का पेड़ लगाने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर भागती है। जिस घर में अशोक का पेड़ होता है, वहां शांति, खुशहाली और सुख संपदा का वास होता है। इस पेड़ के पत्तों के उपाय से पति-पत्नी के बीच प्यार भी बढ़ता है।

आयुर्वेद में है विशेष महत्व
वहीं आयुर्वेद की दृष्टि से अशोक का पेड़ एक औषधीय पौधा है, जिसके पत्तों का उपयोग लेप बनाकर करने से जोड़ों का दर्द, चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए फायदेमंद होता है। यह औषधि पौधा मुंहासों को ठीक करने में मददगार है। इतना ही नहीं डायबिटीज के मरीज इसके पत्तों का सेवन करते हैं तो उनको भी फायदा होता है।

महिलाओं के लिए है वरदान
आयुर्वेद चिकित्सा डॉ दीप्ति नामदेव ने बताया कि अशोक के पौधे की पत्तियों का सेवन करने से डायबिटीज बीमारी से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा महिलाओं की त्वचा सम्बंधी उपचार चेहरे की सुंदरता, घुटनों के जोड़ों में दर्द और महिलाओं के लिए यह औषधि पौधा किसी वरदान से कम नहीं है।



नाक से सांस लेना ज्यादा बेहतर है या मुंह से ? जाने रनिंग के दौरान कौन सा तरीका है बेस्ट

हममें से अधिकांश लोग यह मानेंगे कि गहन व्यायाम के दौरान मुंह से सांस लेना सबसे अच्छी तकनीक है, क्योंकि यह हमारी मांसपेशियों तक अधिक ऑक्सीजन पहुंचने में मदद देता है। लेकिन सबूत इसके विपरीत दिखाते हैं - और यह कि आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में गहन व्यायाम (जैसे दौड़ना) के दौरान उपयोग करने के लिए एक बेहतर तकनीक हो सकती है। अध्ययनों की एक श्रृंखला से पता चला है कि विभिन्न तीव्रता पर व्यायाम करते समय, मुंह से सांस लेने की तुलना में नाक से सांस लेने पर कम ऑक्सीजन का उपयोग होता है। हालांकि यह कोई फायदा नहीं लग सकता है, लेकिन मूल रूप से इसका मतलब यह है कि शरीर कम ऑक्सीजन का उपयोग करते हुए भी उतनी ही मात्रा में व्यायाम कर सकता है। यह विशेष रूप से अधिक सहनशक्ति वाले एथलीटों के लिए एक वास्तविक लाभ हो सकता है क्योंकि गति को अधिक समय तक बनाए रखना ही सफलता का मूलमंत्र है।

नाक से नहीं खींच सकते ज्यादा ऑक्सीजन
ऑक्सीजन को कार के लिए ईंधन की तरह समझें। एक कार प्रति गैलन जितने कम ईंधन का उपयोग करती है उसकी रईधन अर्थव्यवस्था उतनी ही बेहतर होती है। यही बात ऑक्सीजन पर भी लागू होती है। चलते हुए पैदल यात्री जितनी कम ऑक्सीजन का उपयोग करेगा, व्यक्ति उतनी ही कम ऊर्जा का उपयोग करेगा (और इसलिए वह उतना ही अधिक किफायती होगा)। इसका मतलब है कि आप जल्दी थके बिना आगे दौड़ने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा, आपकी नाक से सांस लेने से हवा की मात्रा कम हो जाती है। यह समझ में आता है, क्योंकि नाक आपके मुंह से बहुत छोटी होती है, इसलिए आप एक समय में इतनी अधिक ऑक्सीजन नहीं खींच सकते। लेकिन इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि व्यायाम करते समय लोग अपनी नाक से कम बार सांस लेते हैं, जो कम तर्कसंगत लगता है। यहाँ मुख्य बात यह समझना है कि हवा उच्च दबाव से कम दबाव की ओर जाती है ताकि उसे फेफड़ों में जाने में मदद मिल सके। इसलिए यद्यपि मुंह की तुलना में नाक गुहा में हवा की मात्रा कम होती है, लेकिन दबाव अधिक होता है - जिसका अर्थ है कि हवा श्वसन प्रणाली में अधिक तेजी से प्रवेश करती है।

नाक से सांस लेने के हैं ज्यादा फायदे
इसका परिणाम यह होता है कि काम करने वाली मांसपेशियों तक ऑक्सीजन अधिक तेजी से पहुंचाई जा सकती है। प्रति सांस अधिक ऑक्सीजन भी निकलती है, जो बताता है कि एक ही व्यायाम के दौरान मुंह या नाक से सांस लेने पर हृदय गति में कोई अंतर क्यों नहीं होता है। इसलिए कम मात्रा में ऑक्सीजन आने के बावजूद, यह इंगित करता है कि हृदय को इसे मांसपेशियों तक पहुंचाने के लिए अधिक मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है। इसका मतलब यह है कि व्यायाम के दौरान नाक से सांस लेने पर हृदय पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता है। शोधकर्ताओं का यह भी सुझाव है कि नाक से सांस लेने से नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन बढ़ जाता है, जिससे न केवल फेफड़ों और मांसपेशियों तक ऑक्सीजन पहुंचना आसान हो जाता है, बल्कि यह वायुजनित रोगजनकों (जैसे वायरस) को भी रोक सकता है।

व्यायाम के दौरान जागरूक रहने की जरूरत
नाइट्रिक ऑक्साइड रक्तचाप को कम करके और रक्त प्रवाह को अधिक आसानी से मदद करके ऐसा करता है, जिससे काम करने वाली मांसपेशियों तक आवश्यक ऑक्सीजन पहुंच जाता है। कुल मिलाकर, ऐसा लगता है कि दौड़ते समय आपकी नाक से सांस लेना वास्तव में फायदेमंद हो सकता है। यह आपकी गतिविधियों को अधिक किफायती बनाता है, आपके सांस लेने वाले वायुजनित कणों की मात्रा को कम करता है, व्यायाम करने वाले रक्तचाप को कम करता है और ऑक्सीजन को काम करने वाली मांसपेशियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचने में मदद करता है। अन्य प्रकार के व्यायामों (जैसे वजन उठाना) के लिए साक्ष्य कम स्पष्ट हैं, जिनमें कम, तीव्र प्रयास की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के व्यायाम ऑक्सीजन के

अलावा अन्य स्रोतों से ऊर्जा खींचने पर निर्भर करते हैं - जैसे कि हमारी मांसपेशियों में संग्रहीत चीनी (ग्लूकोज)। लेकिन ये चयापचय प्रक्रियाएं, जो व्यायाम के दौरान समाप्त हो जाती हैं, उन्हें ठीक होने के लिए ऑक्सीजन की ही आवश्यकता होती है। व्यायाम के बीच में आराम करते समय अपनी नाक से गहरी सांस लेने से इस प्रक्रिया को और अधिक बेहतर तरीके से होने में मदद मिल सकती है। लेकिन हालांकि यह सब अविवशनीय रूप से सकारात्मक और उत्साहवर्धक लगता है, लेकिन कुछ नकारात्मक बातें भी हैं जिनके बारे में जागरूक होना जरूरी है। व्यायाम के दौरान केवल अपनी नाक से सांस लेना एक बहुत ही सीखी जाने वाली प्रक्रिया है।

इसे तुरंत लागू नहीं किया जाना चाहिए
यदि आप इसे प्रशिक्षण के बिना शुरू करते हैं, तो इससे हवायु भूखर पैदा हो सकती है - एक ऐसी प्रक्रिया जिसके तहत प्रत्येक सांस के अंत में थोड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड बरकरार रहती है। इससे असुविधा और हाइपरवेंटिलेशन हो सकता है। किसी भी चीज की तरह, अभ्यास परिपूर्ण बनाता है। अपनी नाक से सांस लेना सीखते समय, सुनिश्चित करें कि आप हवा को जबरदस्ती अंदर न डालें। कोशिश करें और इस प्रक्रिया में आराम करें। सुनिश्चित करें कि आपकी जीभ आपके मुंह के शीर्ष पर है, क्योंकि इससे जबड़े और चेहरे की मांसपेशियों को आराम मिलता है जिससे आपकी नाक के माध्यम से गहरी सांस लेना आसान हो जाता है। हो सकता है कि आप शुरुआत में अपनी नाक और मुंह से सांस लेने के बीच बदलाव करना चाहें, जब तक कि आपको पूरी तरह से अपनी नाक से सांस लेने की आदत न हो जाए। जितना अधिक आप ऐसा करेंगे, प्रक्रिया उतनी ही अधिक अवचेतन होती जाएगी। व्यायाम करते समय नाक से सांस लेना बहुत प्रभावी हो सकता है। बस अभ्यास करना सुनिश्चित करें और नुकसान से बचने के लिए अपने शरीर को समायोजित होने का समय दें।



मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड इलाके में आज भी लोग पुरानी परंपरा रीतिरिवाजों से तालुकात रखते हैं। यही वजह है कि दमोह जिले के ज्यादातर घरों के बाहर अशोक का पेड़ दिखाई पड़ता है। वहीं हिंदू शास्त्रों में अशोक के पेड़ का विशेष महत्व बताया गया है।

शराब घोटाले पर दिल्ली का ओपिनियन पोल

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। एसडी सेठी। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर ओपिनियन पोल की झड़ी लग गई है। दिल्ली में इन दिनों कथित शराब घोटाले पर आम आदमी पार्टी को लेकर राजनीतिक हंगामा बरपा हुआ है। आप के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी ने आरोप प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच तलवारें खिंच गई हैं। मगर इसी तनावनी के बीच दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर इंडिया टीवी और सीएनएक्स ने अपनी सर्वे रिपोर्ट पेश कर दी गई है।

सर्वे में दिल्ली की जनता का मूड भांपने की कोशिश की गई है। पिछले दो लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी को क्लीन स्वीप किया था।

इंडिया टीवी-सीएनएक्स की ओर से पेश किए सर्वे में अनुमान लगाया गया है कि 2014-2019- की तरह ही 2024 में भी भाजपा दिल्ली में सबका सुपड़ा साफ कर देगी। सर्वे के मुताबिक यदि अभी चुनाव होते हैं तो यानि बीजेपी दिल्ली में एक बार फिर से यहां सातों लोकसभा सीटों पर जीत हासिल कर सकती है। कांग्रेस और आप पार्टी का खाता खुलता दिखाई नहीं दे रहा है। सर्वे के मुताबिक भाजपा को 52 फीसदी वोट शेयर पर कब्जा कर सकती है। आप के पल्ले 25 फीसदी और कांग्रेस को 17 फीसदी वोट मिल सकते हैं। अन्य के खाले में 6 फीसदी जाने का अनुमान लगाया गया है। बता दें



कि इन्ही दोनों एजेंसी ने जुलाई 2023 में सर्वे किया था। अब तीन महीने बाद अक्टूबर में सर्वे में एक बार फिर भाजपा बढ़त बनाती दिख रही है। उल्लेखनीय है कि इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और आप दोनों शामिल तो हैं पर दोनों में अभी तक फा इन एका दिखाई नहीं दे रही है।

'वैवाहिक रिश्ते और एक दूसरे के साथ से वंचित किया जाना अत्यधिक क्रूरता', तलाक की मांग मंजूर करते हुए दिल्ली HC की टिप्पणी

किसी विवाहित जोड़े को वैवाहिक रिश्ते और एक-दूसरे के साथ से वंचित किया जाना अत्यधिक क्रूरता का कार्य है। दिल्ली हाईकोर्ट ने ये टिप्पणी एक पति की तलाक की मांग को लेकर दायर याचिका को मंजूर करते हुए की पीठ ने हिंदू विवाह अधिनियम 1956 की धारा 13 के तहत पत्नी द्वारा क्रूरता के आधार पर पति को तलाक देने के पारिवारिक अदालत के आदेश को बरकरार रखा।

नई दिल्ली। किसी विवाहित जोड़े को वैवाहिक रिश्ते और एक-दूसरे के साथ से वंचित किया जाना अत्यधिक क्रूरता का कार्य है। दिल्ली हाईकोर्ट ने ये टिप्पणी एक पति की तलाक की मांग को लेकर दायर याचिका को मंजूर करते हुए की। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने हिंदू विवाह अधिनियम, 1956 की धारा 13 के तहत पत्नी द्वारा क्रूरता के आधार पर पति को तलाक देने के पारिवारिक अदालत के आदेश को बरकरार रखा।

2012 में हुई थी शादी

पीठ ने पत्नी की अपील को खारिज करते हुए कहा कि दोनों ने 2012 में शादी की थी, लेकिन वह अपनी शादी को बनाए रखने में असमर्थ थे, क्योंकि दोनों केवल दस माह तक ही साथ रह पाए थे और उसके बाद अलग-अलग रह रहे थे। पीठ ने कहा पत्नी वैवाहिक जीवन में तालमेल बिठाने में असमर्थ थी जिसके कारण दोनों के



बीच मतभेद होते थे और पति के मन में असंतोष और आशंका का भाव पैदा होता था। पीठ ने कहा कि उनके परिवारों के बीच हर माह विवाद को सुलझाने के प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद दोनों के बीच विवाद हल नहीं हो सका। ऐसे में कई माह तक पति-पत्नी का बिना वैवाहिक रिश्ते में रहना और विवाद हल न होने को अविवशवास, नाखुशी और अनिश्चितता पैदा करने वाली मानसिक आघात के रूप में ही कहा जा सकता है।

पति रहता था आशंकित

पीठ ने कहा कि पति चाहे घर पर हो या काम पर लगातार आशंकित रहता था कि क्या घर में चीजें ठीक होंगी या उसे किसी प्रतिकूल घटना का सामना करना पड़ेगा। किसी व्यक्ति के मन में इस तरह की लंबी बेचैनी न केवल व्यक्ति को मानसिक शांति से वंचित करती है, बल्कि मानसिक पीड़ा और आघात का एक निरंतर स्रोत भी है। पीठ ने कहा कि पत्नी का खुद को कपरे में बंद करने का कृत्य पति की आशंका को मजबूत करने वाला अंतिम कृत्य था कि वह उसे झूठे मामलों में फंसा सकती है।

कुरख्यात गैंगस्टर बाबा हाशिम गिरोह का शार्प शूटर चढ़ा पुलिस के हत्थे, दिल्ली दंगों में भी था हाथ

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने वर्ष 2020 में हुए उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों में शामिल रहे बाबा हाशिम गिरोह का शार्प शूटर जहीर उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश दिल्ली दंगों के तीन मामले समेत छह आपराधिक मामलों में फरार चल रहा था। पूछताछ में पता चला है कि जहीर को दंगों के तीन मामलों में गिरफ्तार किया गया था।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने वर्ष 2020 में हुए उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों में शामिल रहे बाबा हाशिम गिरोह का शार्प शूटर जहीर उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश दिल्ली दंगों के तीन मामले समेत छह आपराधिक मामलों में फरार चल रहा था। पूछताछ में पता चला है कि जहीर को दंगों के तीन मामलों में गिरफ्तार किया गया था। जेल से बाहर आने के बाद वह विभिन्न अदालती तारीखों पर पेशी के दौरान हाशिम बाबा से मिलता और उसके निर्देशों के अनुसार दो स्थानों पर लोगों के बीच दहशत फैलाने के लिए गोलीबारी की थी, जिसमें हर्ष विहार में हुई गोलीबारी की घटना शामिल है। उपायुक्त आलोक कुमार ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि जहीर पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड के पास अपने जानकार से मिलने के लिए आने वाला है। सूचना के आधार पर एसपी अतर सिंह की एक टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए बदमाश दबोचा लिया। उसके पास से एक पिस्टल और तीन कारतूस बरामद किए गए।

आगजनी और डकैती का है आरोपी

पुलिस अधिकारी ने बताया कि जहीर उर्फ गुड्डू छह आपराधिक मामलों में शामिल रहा। जिसमें दिल्ली दंगों के दौरान आगजनी और डकैती से संबंधित तीन मामले भी हैं। उपरोक्त मामलों के अलावा वह दो स्थानों पर गोलीबारी के दो मामलों में वांछित था। गत 23 और 24 सितंबर की मध्यरात्रि को पूर्वी दिल्ली में दहशत फैलाने के लिए जहीर ने गोलीबारी की थी। वह अपने दो साथियों के साथ दोपहिया वाहन पर आया और हाशिम बाबा के निर्देश पर दो स्थानों पर गोलीबारी कर फरार हो गया था।

एक अन्य घटना में रात करीब 8:40 बजे जहीर अपने साथियों के साथ गत 23 सितंबर और रियल एस्टेट कार्यालय के मालिक को डराने और उससे रंगदारी के लिए फर्श बाजार में आर ब्लाक में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था।



'महिला पहलवानों ने दिए दिखावटी और बदले हुए बयान', बृजभूषण के वकील ने दिल्ली की कोर्ट में दी दलील

महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न मामले में आरोपित बृजभूषण सिंह ने छह महिला पहलवानों द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोप यौन उत्पीड़न के आरोपों को खारिज किया। सिंह की तरफ से पेश अधिवक्ता ने मामले में उनके मुवक्किल पर आरोप तय करने को लेकर हुई सुनवाई के दौरान राज उज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि उनके मुवक्किल के खिलाफ महिला पहलवानों की तरफ से लगाए गए आरोप झूठे और प्रेरित हैं।

16 अक्टूबर को होगी अगली सुनवाई

एडिशनल चीफ मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद 16

अक्टूबर को मामले में आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। सुनवाई के दौरान सिंह के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि मामले में उनके मुवक्किल के खिलाफ आरोप तय करने पर हुई सुनवाई के दौरान कहा कि हर शिकायत के पीछे एक कारण होता है। महिला पहलवानों का हर आरोप झूठा है। लगभग हर शिकायतकर्ता ने अपने बयान बदले हैं। आरोपित को फंसाने के लिए दिखावटी और बदले हुए बयान दिए गए हैं। अधिवक्ता ने दलील दी कि मामले के शिकायतकर्ताओं में से एक यौन उत्पीड़न समिति की सदस्य थी और उसने अप्रैल 2023 तक कभी भी 2012

घर बस्ते ही राघव चड्ढा-परिणिति घर से बेदखल होंगे.....



परिवहन विशेष। सेठी। आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा- परिणिति संग शादी के 14 दिन के बाद ही दिल्ली की पटियाला हाऊस कोर्ट ने राघव चड्ढा को टाइप-7 बंगला खाली करने का आदेश दे दिया है। कोर्ट ने कहा कि उन्हें सरकारी आवास पर कब्जे का अधिकार नहीं है। दरअसल वह केवल एक सांसद के बतौर उन्हें दिया गया विशेषाधिकार था। उधर सांसद राघव चड्ढा ने इस कार्रवाई को बीजेपी के आदेश पर अपने राजनीतिक उद्देश्यों और निजी स्वार्थों के लिए किया बताया है। उन्होंने तो यहां तक कह डाला कि मेरे जैसे मुखर सांसद द्वारा उठाए जा रहे राजनीतिक मुद्दे और आलोचनाओं पर दबाने की कार्रवाई है। चड्ढा ने कहा कि सभापति द्वारा स्वयं मेरी सभी विशिष्टताओं के मद्देनजर ही मुझे आवास अलाट किया गया था। लेकिन बाद में बिना कारण के आवास रद्द कर दिया गया। यह कार्रवाई मुझे परेशान करने के लिए की गई है इसी बीच संसद से मेरा निर्लेबन भी कर दिया गया। यह बदले की राजनीतिक परकाष्ठा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 240 में से 118 राज्यसभा सांसद अपनी पात्रता से उच्च श्रेणी के आवास में रह रहे हैं। लेकिन मेरी मुखरता को निशाना बनाया गया है यह मेरे लिए चिन्ताजनक स्थिति है। राघव चड्ढा ने कहा कि उचित समय पर कानून के तहत उचित कार्रवाई करूंगा।

आरोपितों में मनोज, हरि दर्शन, बलविंदर, प्रवीण, सुबोध, संजीव व सतीश शामिल हैं।

इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर यात्रियों की मदद करने के बहाने कीमती सामानों पर किया हाथ साफ, सात आरोपी गिरफ्तार

आइजीआई एयरपोर्ट पर यात्रियों के मदद करने के दौरान उनके लगेज से कीमती सामान पर हाथ साफ करने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों में मनोज, हरि दर्शन, बलविंदर, प्रवीण, सुबोध, संजीव व सतीश शामिल हैं। छह आरोपित लोडर का काम करते थे। सतीश चोरी का सामान आरोपितों से खरीदता था। चोरी की पूरी घटना में सभी की अपनी अपनी भूमिका होती थी। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से अलग अलग यात्रियों के लगेज से चुराए गए कई सामान बरामद किए हैं, इनमें कई आभूषण, कीमती घड़ी व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। एयरपोर्ट जिला पुलिस उपायुक्त देवेश महला का कहना है कि चोरी की इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह एयरलाइंस कंपनियों द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी है।

नई दिल्ली। आइजीआई एयरपोर्ट पर यात्रियों के मदद करने के दौरान उनक लगेज से कीमती सामान पर हाथ

साफ करने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों में मनोज, हरि दर्शन, बलविंदर, प्रवीण, सुबोध, संजीव व सतीश शामिल हैं। छह आरोपित लोडर का काम करते थे। सतीश चोरी का सामान आरोपितों से खरीदता था। चोरी की पूरी घटना में सभी की अपनी अपनी भूमिका होती थी। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से अलग अलग यात्रियों के लगेज से चुराए गए कई सामान बरामद किए हैं, इनमें कई आभूषण, कीमती घड़ी व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं। एयरपोर्ट जिला पुलिस उपायुक्त देवेश महला का कहना है कि चोरी की इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह एयरलाइंस कंपनियों द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी है।

दिल्ली पुलिस की ओर से सभी एयरलाइंस कंपनियों को पूर्व में कई बार लिखा गया है, लेकिन कुछ नहीं होता। फिलहाल इस प्रकरण में प्रारंभिक तौर पर एयरलाइंस के सिक्योरिटी आफिसर व ड्यूटी आफिसर की भूमिका सामने आई

है। जांच जारी है।

16 सितंबर को एक यात्री ने चोरी की दी थी शिकायत

उपायुक्त ने बताया कि 16 सितंबर को एक महिला यात्री ने लगेज से चोरी की शिकायत की थी। शिकायत में उन्होंने पुलिस को बताया कि वे मेलबोर्न से दिल्ली पहुंची थी। यहां से उन्हें अमृतसर के लिए विमान पकड़ना था। अमृतसर के लिए जब वे बोर्डिंग से जुड़ी प्रक्रिया पूरी कर रही थीं, तब उन्हें एयरलाइंस वालों की तरफ से बताया गया कि आपका लगेज ओवरवेट है।

इसके बाद वे लगेज को खोलकर सामान व्यवस्थित करने लगीं। यात्री व्हीलचेयर पर बैठ थीं। इनकी मदद के लिए एक लोडर था। महिला ने पुलिस को बताया कि लोडर उनकी सभी क्रियाकलाप पर नजर रखे हुए था। जब अमृतसर अपने घर पहुंची तो पाया कि सोने के आभूषण उनके पर्स से गायब हैं।

पुलिस ने शुरू की जांच

आइजीआई थाना प्रभारी इस्पेक्टर

यशपाल सिंह के नेतृत्व में जांच टीम का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। टीम को मनोज के मोबाइल से एक वीडियो मिला। इसमें हरि दर्शन यह कह रहा था कि यह आभूषण नकली है, इससे किसी को कुछ नहीं मिलेगा।

पुलिस ने दोनों से पूछताछ की तो दोनों टूट गए। इन्होंने इस मामले संलिप्तता स्वीकार की तथा कहा कि पूर्व में भी इस तरह की अनेक चोरी उन्होंने की है। उसने अपने कई साथियों का भी नाम पुलिस को बताया। इसके बाद पुलिस ने सात आरोपितों को पकड़ा।

एक और मामला आया सामने

पुलिस के अनुसार 16 सितंबर को ही गोवा के एक यात्री के लगेज से 4.68 लाख कीमत की घड़ी गायब हुई है। इस मामले में भी संदेह उन्हीं ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ पर है, जिसने महिला का सामान चुराया था। इस मामले में भी पुलिस एयरलाइंस प्रबंधन व इनके ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ की भूमिका जांच रही है।



बड़ी फैमिली को खूब भा रही ये कार, हाइब्रिड मॉडल में मिलता है 27 किलोमीटर तक का माइलेज

जब भी कोई अपने फैमली के लिए कार लेने की प्लानिंग करता है तो सबसे पहले उसके दिमाग में यही आता है कि कि एक ऐसी कार खरीदे जिससे आपका पूरा परिवार एक साथ सफर कर सके। लेकिन जब भी फैमली कार की बात आती है तो एसयूवी और एमपीवी ही पहले आती है। क्या आप भी अपनी फैमिली के लिए एक नई 7 सीटर कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए एक ऐसी एसयूवी के बारे में बताते जा रहे हैं जो माइलेज से लेकर फीचर्स में काफी दमदार है।

टोयोटा इनोवा हाई क्रॉस

आपकी जानकारी के लिए बता दें, हम बात टोयोटा इनोवा हाई क्रॉस की कर रहे हैं। भारतीय बाजार में टोयोटा हाल के दिनों में हाइब्रिड इंजन के साथ आती है। कार के डिजाइन को पूरी तरह से बदल दिया गया था और ये दिखने में एक एमपीवी कम लगती है और एसयूवी अधिक दिखती है। हालांकि इसके स्पेस में कोई भी फर्क नहीं पड़ता है। पहले के मुकाबले ये अधिक कंफर्टेबल और स्पेस वाली दिखती है। कार में कई दमदार फीचर्स भी मिलते हैं। इसके इंटीरियर और एक्सटीरियर को बदल दिया गया है। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

दमदार हाइब्रिड इंजन

इस कार में कंपनी ने दमदार हाइब्रिड इंजन दिया गया है। इस कार में आपको 2.0 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। जो 183.72 बीएचपी की पावर जनरेट करती है। इस कार की सबसे खास बात ये है कि इसमें माइलेज काफी अच्छी मिलती है। इनोवा का हाइब्रिड मॉडल 27 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देती है। ये 7 सीटर कार 2.0 लीटर इंजन के साथ आने वाली कार से भी कहीं ज्यादा है।

फीचर्स

इस कार में कई दमदार फीचर्स मिलते हैं। इसमें आपको लेन असिस्ट, पार्किंग असिस्ट, एडीएएस, रियर पार्किंग सेंसर, एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, 360 डिग्री कैमरा, रियर पार्किंग सेंसर, एडीएएस, पार्किंग असिस्ट, लेन असिस्ट जैसे कई सैफ्टी फीचर्स मौजूद हैं।



कीमत

टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस के कीमत की बात करें तो इसकी शुरुआती कीमत 19.67 लाख रुपये है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 30.26 लाख रुपये तक है। कंपनी इस कार को कुल 10 वेरिएंट में लेकर आती है। कार के बेस वेरिएंट में आपको हाइब्रिड इंजन नहीं मिलेगा और इसमें नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलता है। ये कार आपको 7 और 8 सीटर ऑप्शन में मिलती है। भारतीय बाजार में इस कार की डिमांड अधिक है। जिसके कारण आपको इस कार के डिलीवरी के लिए भी लंबे समय तक का इंतजार करना होगा।

टाटा नेक्सॉन ईवी के सभी वेरिएंट की कीमत के साथ ही फीचर्स और बाकी सारी डिटेल्स

टाटा मोटर्स ने हाल ही में अपनी टॉप सेलिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी नेक्सॉन ईवी को अपडेट किया है और यह एसयूवी अब लुक और फीचर्स के मामले में काफी बेहतर हो गई है। चलिए, आज हम आपको नई टाटा नेक्सॉन ईवी के सभी वेरिएंट की कीमतों के साथ ही लुक-फीचर्स और रेंज-स्पीड की सारी जानकारी देते हैं।

2023 टाटा नेक्सॉन फेसलिफ्ट के साथ ही नई नेक्सॉन ईवी भी इस महीने लॉन्च हो गई है। टाटा मोटर्स ने नेक्सॉन ईवी के एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर में भी काफी सारे बदलाव किए हैं, जिसकी वजह से यह और जबरदस्त हो गई है। 2023 टाटा नेक्सॉन फेसलिफ्ट ईवी के क्रिएटिव, फियरलेस और एम्पावर्ड जैसे 3 ट्रिम में कुल 9 वेरिएंट्स हैं, जिनकी एक्स शोरूम प्राइस 14.74 लाख रुपये से शुरू होकर 19.94 लाख रुपये तक जाती है। इस 5 सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवी को फ्लेम रेड, प्रिस्टिन वाइट,

इंटेसी वील, एम्पावर्ड ऑक्साइड, फियरलेस पर्वल, क्रिएटिव ओसन और डायटोना ग्रे जैसे 7 कलर ऑप्शन में पेश किया गया है।

टाटा नेक्सॉन ईवी के सभी वेरिएंट के दाम देखें

Nexon EV Creative Plus वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 14.74 लाख रुपये है।

Nexon EV Fearless वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 16.19 लाख रुपये है।

Nexon EV Fearless Plus वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 16.69 लाख रुपये है।

Nexon EV Fearless Plus S वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 17.19 लाख रुपये है।

Nexon EV Empowered वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 17.84 लाख रुपये है।

Nexon EV Fearless LR वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 18.19 लाख रुपये है।

Nexon EV Fearless Plus LR वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 18.69 लाख रुपये है।

Nexon EV Fearless Plus S LR वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 19.19 लाख रुपये है।

Nexon EV Empowered Plus LR वेरिएंट की एक्स शोरूम प्राइस 19.94 लाख रुपये है।

अच्छी रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी

टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट को 30 किलोवाट और 40.5 किलोवाट के दो बैटरी ऑप्शन में पेश किया गया है। इसका इलेक्ट्रिक मोटर 129 PS पावर और 215 Nm टॉर्क के साथ ही 144 PS पावर और 215 Nm पिक टॉर्क तक जनरेट करता है। इसके 30 किलोवाट वेरिएंट की बैटरी रेंज 325km तक और 40.5 किलोवाट वेरिएंट की बैटरी रेंज 465km तक है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को डीसी फास्ट चार्जर की मदद से महज एक घंटे में 10-100 पर्सेंट तक चार्ज किया जा सकता है।

फीचर्स की भरमार

फीचर्स की बात करें तो नई टाटा नेक्सॉन ईवी में 12.3 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जिंग, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले, 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, जेबीएल का 9 स्पीकर साउंड सिस्टम, ऑटोमैटिक एसी, क्रूज कंट्रोल, सनरूफ, 6 एयरबैग्स, 360 डिग्री कैमरा, ब्लाइंड व्यू मॉनिटरिंग सिस्टम, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर समेत अन्य खूबियां हैं।



ईवी चार्जिंग स्टेशन: ईवीगो को प्रेस्टिज ग्रुप और गोयल गंगा से आर्डर, जानिए किस क्षेत्र से जुड़ा है

दक्षिण भारत का शहर बेंगलुरु ई व्हीकल को अपनाने में काफी आगे है। तभी तो वहां की हाउसिंग सोसाइटीज में ईवी चार्जिंग स्टेशनों का इंस्टालेशन बढ़ रहा है। हाल ही में प्रेस्टीज ग्रुप और गोयल गंगा ग्रुप ने अपने हाउसिंग कंप्लेक्स में ईवी चार्जकर की सप्लाई और इंस्टालेशन का काम दिया है।

नई दिल्ली: कनार्टक की राजधानी बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक व्हीकल (Electric Vehicle) का एडोप्शन तेज है। वहां के हाउसिंग कंप्लेक्स (Residential Complex) अब ईवी चार्जिंग स्टेशनों से लैस हो रहे हैं। नई खबर प्रेस्टीज (Prestige Group) और गोयल गंगा (Goel Ganga) ग्रुप की तरफ से आई है। शेरार बाजारों में लिस्टेड मरीन इलेक्ट्रिकल इंडिया (Marine Electrical) की सब्सिडियरी ईवीगो चार्ज प्राइवेट लिमिटेड को इन्हीं दोनों से बड़ा ऑर्डर मिला है। प्रेस्टिज के आर्डर के तहत ईवीगो बंगलुरु में ईवी चार्जर की सप्लाई और इंस्टालेशन का काम करेगी जबकि गोयल गंगा के आवासीय और कर्मशैयल कंप्लेक्सों में ईवी चार्जर की सप्लाई और इंस्टालेशन करेगी।

शेरार बाजार में दी सूचना



मरीन इलेक्ट्रिकल ने शेरार बाजारों को दी सूचना में कहा कि ईवीगो यह ऑर्डर 3.91 करोड़ रुपये का मिला है। हालांकि इसमें जीएसटी शामिल नहीं है। यह डिलीवरी ईवीगो को 4-6 हफ्तों में करनी होगी। ईवीगो चार्ज को 2018 में शुरू किया गया था। यह एक ई-मोबिलिटी वेंचर है जो पूरे देश में अपने ब्रांड

बिजीफाई के जरिये परिचालन का काम करती है।

ईवीगो का इन हाउस डिजाइन

ईवीगो का एक प्रमुख वर्टिकल ईवी चार्जिंग क्षेत्र में है। यह मोबिलि एप्लीकेशन के जरिये मोबिलिटी का काम करती है। चार्जर के अलावा

कंपनी सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और सेवाओं सहित पूरा इकोसिस्टम भी प्रदान करती है। कंपनी का तेज चार्जर का एसी और डीसी का हार्डवेयर बोर्ड्स ज्यादातर इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग होता है। यह सभी ईवीगो इन हाइस डिजाइन करती है। इसकी मैन्यूफैक्चरिंग गोवा में मरीन इलेक्ट्रिक की फेसिलिटी में होती है।

अनुसार, जनवरी 2023 से 10 लाख वाहनों की बिक्री में शीर्ष 20 कंपनियों की 70 फीसदी हिस्सेदारी रही। 460 कंपनियां इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन बनाती हैं यानी उद्योग के कुल 640 विनिर्माताओं में से 76 फीसदी मगर इस श्रेणी को सर्वाधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस खंड में न केवल विनिर्माताओं की सर्वाधिक संख्या है बल्कि 100 वाहनों से कम बिक्री करने वालों की भी संख्या काफी है। 236 कंपनियों ने बताया कि उन्होंने 100 से कम गाड़ियां बेची हैं।

सौरा इलेक्ट्रिक ऑटो के प्रबंध निदेशक नितिन कपूर ने कहा, 'ईवी स्टार्टअप कंपनियों की की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए गुणवत्ता, नवोन्मेष और लागत प्रतिस्पर्धा बनाए रखना प्रमुख कारक होगा।' सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो भारत की तीसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन विक्रेता है।



केंद्र ने नौकरशाही को दिया सख्त संदेश



केंद्र की मोदी सरकार ने 1994 बैच की अरुणाचल प्रदेश दुगगा में सेवारत आईएएस अधिकारी रिक्रू दुगगा को अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया। पिछले साल मैं रिक्रू दुगगा और उनके पति संजीव खिरवार का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो कुत्ता घुमाते हुए नजर आ रहे थे। स्टैंडियम में एथलीटों और कोचों को उस दिन अपना अभ्यास सत्र जल्दी खत्म करने और जगह खाली करने के लिए कहा गया था ताकि आईएएस दंपती अपने कुत्ते को घुमा सकें। केंद्र सरकार ने रिक्रू दुगगा को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देकर नौकरशाही को संदेश दे दिया है कि जनता जनार्दन देश में सर्वोच्च है। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही, लापरवाही और भ्रष्टाचार केंद्र सरकार किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगी। कुत्ता टहलाने और एथलीटों को बाहर किए जाने के मामले में केंद्र सरकार ने रिक्रू दुगगा और उनके पति संजीव खिरवार के खिलाफ जांच कार्रवाई की। इस रिपोर्ट से एथलीटों और जनता भी भारी आक्रोश फैल गया था। इसके बाद दिल्ली सरकार में प्रमुख सचिव (राजस्व) के रूप में काम करने वाले संजीव खिरवार को लद्दाख में स्थानांतरित कर दिया गया था। वहीं दुगगा को अरुणाचल प्रदेश में स्वदेशी मामलों के प्रमुख सचिव के रूप में तैनात किया गया था। इससे पहले भी केंद्र की भाजपा सरकार ने देश भर में कई केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को एक सख्त चेतावनी जारी की थी। कर्मचारियों को काम को लेकर सतर्क रहने और लापरवाही नहीं बरतने के आदेश दिए गए। अगर ऐसा होता है तो रिटायरमेंट के बाद पेंशन व प्रेस्टीज रोकने के निर्देश दिए गए। इस आदेश पर राज्य सरकारों से अपने स्तर पर फैसला लेने को कहा गया था। केंद्र में करीब दस साल पहले सत्ता में आने के बाद से मोदी सरकार ने सरकारी दफ्तरों में पसरी लापरवाही, लापरवाहीशाही, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ हड़ताल भरी थी। केंद्र में सत्ता संभालने के साथ ही सरकार को पता चला था कि दिल्ली में आईएएस और कुछ अन्य अधिकारी कार्यालय के समय में गोल्फ खेलने चले जाते हैं। इस पर सरकार एक्शन में आ गई। सभी अधिकारियों को आगाह किया गया कि कार्यालय समय के दौरान कोई भी अधिकारी-कर्मचारी निजी कार्यों से नहीं जा सकता। आईएएस अधिकारियों को ऐसी उम्मीद नहीं थी कि उनकी लगातार थामने वाला भी कोई हो सकता है। दरअसल पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने नौकरशाही को मनमर्जी करने की छूट दे रखी थी।



पहली वजह रही कि अधिकारियों में हर तरह का दुस्साहस पैदा हो गया। अधिकारी नौकरी को निजी मिलित्वायत समझ कर आम लोगों से अंग्रेजी शासन की तरह व्यवहार करते लगे। दूसरे शब्दों में कहें तो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मंत्री-नेताओं की शह पाकर नौकरशाही आम अदालत की सिरमोही बन गई। केंद्र में सरकार के पठवते ही नौकरशाही की हरकतों पर गहरी नजर रखी गई। मौजूदा केंद्र सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि आम लोगों की कीमत पर कुछ भी बर्बाद नहीं किया जाएगा। सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने कठोर कार्रवाई करते हुए गुप-ए और बी स्तर के कुल 312 अफसरों को जबरन रिटायर कर दिया। सरकार ने गुप-ए के 36000 कर्मचारियों और गुप-बी के 82000 कर्मचारियों के काम का रिव्यू किया। इनमें से 312 अफसर नकारा मिले। इनमें गुप-ए के 125 अफसर और गुप-बी के 187 अफसर शामिल हैं। विभागीय स्तर पर कर्मचारी-अधिकारियों के कामकाज की समीक्षा के साथ केंद्र सरकार ने भ्रष्ट और नाकारा अफसरों की भी सबक सिखाने की ठान ली। अफसरों ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को पूरी तरह से ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की छूट दी। केंद्र सरकार के कदम से कदम मिला कर सीबीआई ने अफसरों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। सीबीआई ने 44 आईएएस और 12 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किए। पिछले छह साल में 3464 शिकायतें आईएएस अधिकारियों के खिलाफ वित्तीय और आपराधिक मामलों के तहत प्राप्त हुई हैं। हम बात यह है कि शिकायतों के मामले हर साल बढ़ते गए हैं। मसलन जहाँ 2015-2016 में 380 आईएएस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई, वह 2019-20 में करीब दोगुनी होकर 753 तक पहुँच गई। कार्मिक दुरुशाला और पेंशन मसाला द्वारा 10 मार्च 2021 को लोकसभा

मैदिए गए जवाब के अनुसार वित्त वर्ष 2015-16 से फरवरी 2021 तक आईएएस अधिकारियों के खिलाफ वित्तीय और आपराधिक मामलों के तहत कुल 3464 शिकायतें प्राप्त हुईं। सीबीआई के अनुसार इस अवधि में 44 आईएएस और 12 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं, जबकि इस अवधि में 43 आईएएस और 17 आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ केंद्र सरकार ने कार्रवाई की है। प्रतिष्ठित भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) से 27 विरुद्ध सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) से समय से पहले सेवानिवृत्त के लिए हर महीने आईएएस अधिकारियों के नामों की सिफारिश करने को कहा।

केंद्र सरकार के 104 कर्मचारियों पर साल 2021-22 में कार्रवाई की गई। इनमें ग्रुप-ए के सब से अधिक 45 कर्मचारी हैं। केंद्र सरकार के लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी रहा। ये कार्रवाई प्रश्रंन, हाजिरी और अनुशासनात्मक मामलों को लेकर की गई। सरकार ने मौजूदा साक्ष्यों के आधार पर भ्रष्ट अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की और उन्हें रिटायर कर दिया। यह कार्रवाई फंडामेंटल रूल्स (एफ आर) 56 (जे), (आई), सेंट्रल सिविल सर्विसेज (सीसीएस) पेनल रूल 172 और आल इंडिया सर्विसेज के संशोधित रूल 16 (3) को ध्यान में रखकर की गई है। इसके तहत सरकार को अधिकार है कि वह किसी भी अफसर के काम को कुछ अंतराल पर रिव्यू कर सकती है और उन्हें प्रोमोशन रिटायरमेंट दे सकती है। 7 अक्टूबर 2022 को इन नियमों में बदलाव किया गया है। सक्षम अधिकारियों को दोषी पाए जाने पर कर्मचारियों की पेशना अथवा प्रोटेक्शन रिटायरमेंट आंशिक या फिर पूर्ण रूप से रोकने का अधिकार

शालिमा किया गया। नौकरी के दौरान अगर इन कर्मचारियों के खिलाफ कोई विवागीय या न्यायिक कारवाई हुई तो इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को देना अनिवार्य किया गया। अगर कोई कर्मचारी रिटायर होने के बाद फिर से नियुक्त हुआ है तो उस पर यही नियम लागू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी की 75वें वर्षगांठ पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने देश की जनता से इतना दो कुरीतियों को खत्म करने में मदद की अपील की। पीएम ने कहा कि इन कुरीतियों को नहीं रोका गया तो यह विचराल रूप ले सकता है। पीएम मोदी ने कहा था कि दुर्भाग्य से राजनीतिक क्षेत्र की इस बुराई ने देश की हर संस्था को पोषित कर दिया। मोदी ने लाल किले के प्राचीर से कहा था, भारत जैसे लोकतंत्र में जहां लोग गरीबी से जूझ रहे हैं। एक तरफ वे लोग हैं जिनके पास रहने के लिए जगह नहीं है, एक तरफ वे लोग हैं जिनको चोरी का माल रखने की जगह नहीं है। हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ना है। केंद्र सरकार की इस कारवाई के साथ ही उत्तराखंड और मध्य प्रदेश की राज्य सरकारों ने भी अपने शासन के नकारा अफसरों पर कार्रवाई की। उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार ने कड़े कदम उठाते 600 अधिकारियों पर कार्रवाई की। इसमें 200 अधिकारी ऐसे हैं जिन्हें जबरन रिटायरमेंट दे दिया गया। सर्वाधिक आश्चर्य तो यह है कि सरकार के स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार और अकर्मण्यता के खिलाफ राज्यों में गैर भाजपा सरकारों को कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जिससे अधिकारियों-कर्मचारियों में भय व्याप्त हो सके। विपक्षी दल बेशक केंद्र पर बदले की कार्रवाई से ईर्षी और सीबीआई की कार्रवाई का आरोप लगाते रहे, किन्तु गैर भाजपा शासित राज्यों में सरकारी तंत्र को सुधारने के लिए कोई अभियान नहीं चलाया गया।

परिवार नियोजन की सामाजिक दृष्टि
को और सशक्त करने के लिए सुख्ख
सरकार ने बालिका योजना की
प्रोत्साहन राशि को आगे बढ़ाया है।
आईदा एक बेटी की सीमा में रहते हुए
परिवार नियोजन करने वाले लोगों
को पैंतीस हजार की बजाय दो लाख
और दो बेटियों के परिवार को एक
लाख रुपय मिलेगा। यह एक ऐसा
सम्मान है जो परिवार से देश तक के
मिल नारी शक्ति का इजहार कर रहा
है। कहना न होगा कि हिमाचल राज्य
की सामाजिक सुसुरक्षा में निरंतर
इजाफा हुआ है और कम्बोजा हर
सरकार ने सामाजिक कल्याण की
सुखियाँ बढ़ोरी हैं। वर्तमान सुख्ख
सरकार ने भी अपनी प्रार्थनिकताओं
के मरहम से ऐसे ही अनेक पहलुओं
को छूने की इच्छाशक्ति दिखाई है।
सुख आश्रय योजना के तहत अनाथ
बच्चों को मिल रहा विल्डन ऑफ द
स्टेट का दर्जा, अपनी तरह की अनूठी
तहल है, जिसके तहत सैकड़ों
निराश्रित बच्चों को सरकार न केवल
आश्रय, बल्कि उम्मीदों का आकाश
भी सौंप रही है।
इसके तहत अब पारिवारिक व
सामाजिक विडंबनाओं के बाहर
अनाथ बचपन के कर्तव्य भविष्य का
सुरज लाने का वादा न केवल सरकार
न किया है, बल्कि वित्तीय आबंटन से
अनाथ बच्चों का वित्तीय रूप से
समर्थन शुरू किया गया। वित्तीय
लाभ से सुसज्जित कई तरह की
सामाजिक पेशा स्क्री में हिमाचल को
अति सुरक्षित राज्य बना चुकी हैं।
हालांकि अति सुरक्षित कल्याण दृष्टि व
राज्य प्रार्थनिक प्रश्रय योजनाओं के
कारण एक तरह का निराला बच्चा भी
हिमाचल में विकसित हुआ है।
सरकार का 'कामधेनु' होना एक तरह
तक तो समझ में आता है, लेकिन
सरकारी संसाधनों के पक्ष में
सामाजिक दायित्व की भूमिका भी
परिहास के अंगों चाहिए। बहरहाल
हिमाचल के होना में बेटी का सीना
होना, हिमाचली समाज की रूपरेखा
में एक स्वर्णिम अध्याय है। यही
वजह है लिंगानुपात में एक हजार
पुरुषों के मुकाबले औरतों को तादाद
972 तक पहुँच गई है, जबकि

हिमालयों की यासराता दर भी 76 प्रतिशत तक के सम्माननीय आंकड़े को छू रही है। उन्नीसवीं एशियाई खेलों में भारतीय महिला कबड्डी की कप्तानी कर रही पितु नेनेगी के अलावा क्रिकेट, एथलेटिक्स में हैंडबॉल जैसी खेलों में प्रदेश की बेटियों ने भी देश के लिए नाम कमाया है। पुरुषों के क्षेत्र में खास तौर पर सैन्य बलों में प्रदेश की बेटियाँ सरहद, समुद्र से आकाश तक प्रदेश की सैन्य पृष्ठभूमि को अलंकृत कर रही हैं। ऐसा कोई स्थान या मुकाम नहीं जहाँ हिमाचली बेटियों ने अपुनी प्रतिभा का लोहा नहीं मनवाया।

फिल्म-टीवी जगत से गीत-संगीत की दुनिया तक प्रदेश के महिला सशक्तिकरण की धाक है। इस दौरान नारियों के खिलाफ अपराधिक व घरेलू हिंसा के मामलों में भी काफी कमी आई है, फिर भी आर्थिक पिछड़ेपन की दुरुहता में फंसे हिमाचली और भी और देशभाल की जरूरत है। हिमाचल में समूचे देश से कहीं भिन्न ट्राइबल वूमन की आर्थिक असमकिक तत्करी है। कई अनुकरणीय उदाहरण गांगी-भरमौर, लाहुल-स्पीति व किन्नौर की औरतें पेश कर रही हैं और इस के लिए

हिमाचल संगठन, स्वयं सहायता समूह व गैर सरकारी संस्थाएँ श्रेय की पात्र हैं। चंबा, लाहुल-स्पीति, किन्नौर और सिरमौर के कई स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण उत्पादों के अलावा ऊनी वस्त्रों तथा परंपरागत पहरावों का संरक्षण करने में श्रेष्ठता हासिल की है। आज भी लोक संगीत की धुनों के बीच फसल कटाई या खास तौर पर चिचिगोंजों का एकत्रीकरण करने की प्रक्रिया सामाजिक पृष्ठभूमि में नारी अस्तित्व की जरूरत व भूमिका को अंगीकार करती है। ऐसे में एकलौती बेटी के अभिभावकों को सम्मानित करते हुए सुव्युक्त सरकार का प्रयास सराफा जाना चाहिए। यह दिग्दर्शक अनेकली बेटी को आगे बढ़ाने वाले मां-बाप को खुद ही ऐसे सम्मान के चयन के लिए प्रयास करना पड़ता है, जबकि राज्य व्यापक सर्वेक्षण से सरकार को पाता की सररता का रास्ता बनाना चाहिए।

चर्चा
रामबाबू खेल नायक हैं

गुरुवार, 5 अक्टूबर, को 'कोन केना को' का ड्राफ्टिंग के सैट पर करैसे देशों को कोविडया गया था, जिन्होंने क्रिकेट की टीम इंडिया की पहली पहनी हुई थी। भारत में पकड़नी क्रिकेट के आईसीसी नियम का आगाज हुआ चुका है। रूडिडियो में दर्शक 'भारतवर्ष हमारा है' का उद्घोष भी कर रहे थे। हमें क्रिकेट के प्रति प्रकाश का लगाव बहुत अच्छा लगता है। देशवासी क्रिकेट को धर्म और राष्ट्र के आयास में भी देखते हैं, लेकिन वह लगान, उन्माद, प्यार अधूरा सा लगता है, क्योंकि चीन के हांगझाउ में 'एशियनगम' जारी है। भारत के कई अनाम, अलोकप्रिय खिलाड़ियों ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इतिहास लगातार लिखा जा रहा है। भारत गुरुवार शाम तक 21 स्थान, 32 रजि और 33 कांस्थ पदक जीत कर कुल 86 पदक हासिल कर चुका है। अभी तो क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, बैडमिंटन, शतरंज और कुश्ती आदि खेलों में हमें सोना या चांदी मिलनी है। 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों में भारत ने 16 स्थान पदक समेत कुल 70 पदक जीतने की उपलब्धि हासिल की थी। उस कीर्तिमान को फिलहाल 86 पदकों तक पहुंचना कर भारत अपने खेल-हजार को बेहतर साबित कर चुका है। बेशक क्रिकेट अमीरी और सम्यन्ता का खेल है। हमारे शीर्ष खिलाड़ियों के सालाना पैकेज 7 और 5 करोड़ रूप से अधिक के हैं। जूनियर को भी 1 करोड़ रूप से अधिक का पैकेज दिया जाता है। फिर आठवीं पहर के लाखों करोड़ों रूप के अनुबंध भी मिलते हैं। हमसफ़ि थावक रामबाबू का उदाहरण यहां उद्धृत कर रहे हैं। वह मयूराना का मजदूर रहा है।

हटलकर मैं चेंबर बना और बंन भी मांजरा बना। गरीबी से लडकर जिन दहने के संघर्ष में उसने न जाने क्या-क्या किया होगा? उसे दोहरे के लिये मजदूरी के पैसों से ही जूते खरीदने पड़े। उस खिलाड़ी ने एशियाड में 35 किलोमीटर की पैदल दौड़ में भारत को कांस्य पदक जिता कर दिया। यकीनन रामबाबू भारत का राष्ट्र-नायक है। ऐसे ही कुछ चेरें अविनाश साबले, मूल्य श्रीरंगन, तौरंगन ओजस, फलवान आंतिम पंथाल आदि खिलाड़ियों के हैं, जिनकी खेल-उल्लाखियायें अग्रिम हैं। भारत के पदकवीरो योद्धा हैं, लेकिन जो सुविधायें रहेगीशर्मा, विराट कोहली से लेकर सिराज तक क्रिकेटर्स को मिलती रही हैं, वे इन पदकवीर खिलाड़ियों के हिस्से बहुत सीमित आती हैं। कौन बनेगा करोड़पति के मंच को लौटे गरीब-आना चेरें लजपत करोगेपति बनकर कैसे लौटे? इकरोड़ों लाख इस खेल से जुड़े हैं और अपने ज्ञान, अपनी किस्मत को आजमाने रहेते हैं, लिहाजा ऐसे मंच पर क्रिकेट को ही भारतवर्ष से जोड़ना और पदकवीर खिलाड़ियों का नाम तक नहीं लेना यह एक देशभक्त नागरिक को चुनता है, पंडित करता है। हालाँकि हम स्पष्ट कर दें कि हम क्रिकेट के 'जुनूनी प्रेमी' हैं और उसकी उपलब्धियों और पराजयों का ललाटार विलेपण करते रहेते हैं, लेकिन रामबाबू सरीखा खिलाड़ी अप्रतिम कीर्तिमान है, जिसे आने वाले समय में लोग अन्न' आदर्श' मान सकते हैं। ओडिशा देश के सबसे गरीब राज्य में एक है, लेकिन वह भी महानायक नेनर चोपाड़ा को भी पीछे छोड़ कर सभी को चौंका दिया था। अंततः नीरज इस साल के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88.88 मीटर तक भाला फेंक कर स्वर्ण पदक विजेता बने, लेकिन जैन ने भी 87 मीटर से अधिक की दूरी तक रजत पदक हासिल किया। यह भारतीय खेल इतिहास में पहली बार हुआ है कि एशियाई गेम्स में पहले दोनों स्थान और दोनों पदक भारतीय ने हासिल किया। जैन को पर देश कम ही जानता है, लेकिन वह नीरज के विकल्प के तौर पर उभर कर है। मीडिया में किचनी करवेंज दी गई है।

प्रताप सिंह पटियाल

वायुसेना की विजयगाथा में दास्तान-ए-शुजात की एक समृद्ध विरासत स्थापित करने वाले जांबाज वायुवीरों की शूरवीरता का इतिहास यदि शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल हो तो छात्र वर्ग को प्रेरणा मिलेगी। सभी को वायुसेना दिवस की शुभकामनाएं

‘नभः स्पर्शं दीप्तम्’ अर्थात् आकाश को छूने वाले दीप्तिमान। भारतीय वायुसेना का यह आदर्श वाक्य श्रीमद्भागवदगीता के ग्यारहवें अध्याय के 24वें श्लोक का भाग है तथा कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर महाभारत युद्ध से पूर्व श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेश का संश्लेष है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश साम्राज्य के दौर में आठ अक्टूबर 1932 को हुई थी। एक अप्रैल 1933 को कराची में भारतीय वायुसेना की नंबर एक स्क्वाड्रन का गठन किया गया था जिसमें छह भारतीय अधिकारी शामिल हुए थे। उन्होंने अधिकारियों में शामिल ‘सुब्रतो मुखर्जी’ ने एक अप्रैल 1954 को आजाद भारत के प्रथम भारतीय वायुसेना प्रमुख के रूप में कमान संभाली थी। दूसरी कई सैन्य अजीमों से लेकर वायुसेना युद्ध तथा कई सैन्य अभियानों में भारतीय वायुसेना महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी है। द्वितीय विश्व युद्ध में उत्तरी थाईलैंड के मोर्चे पर जापानी सैन्य ठिकानों पर जोरदार हमलों को अंजाम देकर भारतीय वायुसेना के पायलटों ने अपने शौर्य पराक्रम की तस्दीक कर दी थी। भारतीय पायलटों की बहादुरी से प्रभावित होकर बर्तानिया बादशाही ने भारतीय वायुसेना को ‘रॉयल’ की उपाधि दी थी, मगर आजादी के बाद सन् 1950 में रॉयल शब्द हटा दिया गया

था। भारतीय वायुसेना की स्थापना पहले ही 1932 में हुई थी, मगर भारत के चार पायलटों कृष्ण चंद्र वेलिकर, हरिदत्त सिंह मलिक, एरोल सेन चंद्र सेन व इंद्र लाल रॉय ने प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटिश वायुसेना का हिस्सा बनकर जंग में अपने जीवन दिये। प्रथम विश्व युद्ध में दुश्मन के कई फ़ायरप्लेन को मार गिराकर फ्लाइट लेफ्टिनेंट इंद्र लाल रॉय 22 जुलाई 1918 को फ्रांस के वेस्टर्न फ्रंट पर शहीद हो गए थे। युद्ध में वीरता का परिचय देकर शहीद हुए इंद्र लाल रॉय को बर्तानिया हुकूमत ने अपनी सर्वोच्च प्रतिष्ठित गैलेंट्री अवार्ड 'विशिष्ट फ्लाईंग क्रॉस' (मरणोपरांत) से अलंकृत किया था। इंद्र लाल रॉय 'डीएफसी' सम्मान प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय थे। 30 जून 1918 को कृष्ण चंद्र वेलिकर भी प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हो गए थे। भारत सरकार ने इंद्र लाल रॉय के सम्मान में सन्-1998 में डाक टिकट भी जारी किया था। वायुसेना दिवस के अवसर पर हिमाचल के शूरवीर वायुवीरों का जिक्र करना भी जरूरी है। हिमाचल के रणबांकुरों ने देश रक्षा के महाजंग पर शूरवीरता के शिलालेख लिखकर पहाड़ के शीर्षों को हमेशा सर्वश्रेष्ठ साबित किया है। हिमाचल के साहसी पायलट बलदेव सिंह डोगरा ने सन्-1942 में इंडियन एयर फोर्स में भर्ती होकर दूसरी जगें जोजीम में भाग लिया था। सन्-1947-48 में कश्मीर पर पाक सेना के हमले के दौरान स्क्वाड्रन लीडर बलदेव सिंह डोगरा ने कश्मीर के 'कोहला हावा इंद्र' पर पाक लाव लश्कर पर जोरदार बर्बाद हमले करके पाक पेशकदमी को ध्वस्त करके कश्मीर को बचाने में अहम भूमिकाएं निभाया था। कश्मीर युद्ध में शूरवीरता का परिचय देने वाले बलदेव सिंह डोगरा को भारत सरकार ने सन्-1950 में 'वीर चक्र' से नवाजा था। सन्-1965 की भारत-पाक



जंग में भारतीय वायुसेना का प्रंचड रूप देखने को मिला था। 1965 व कब्जा में पाक सेना जम्मू के अखनूर पुत्र को कब्जा करने के लिए आगे बढ़ रही थी। युद्ध में पाक थलसेना की पेशकशमिल को पाक एयरफोर्स की पूरी मदद मिल रही थी। उस वक्त हिमाचल के जॉबाज लडाकू पायलट 'वीरेंद्र सिंह पठानिया' ने चार सिपहसं 1965 के दिना अपनने फॉलैंड नैने जेट के साथ छंब सेक्टर में पाकिस्तानी सेबेर जेट को मार गिराकर अखनूर पुत्र को कब्जा करने के कमीर फतह क खाब देख रहे पाक सिपहसालारों के अरमानों को ध्वस्त कर दिया था।

रणक्षेत्र में पाक सेबेर जेट के नेस्तनाबूद होने से पाक वायुसेना का एक बड़ा हमला विकसित हुआ था। मैदान जंग में अदृश्य साहस का परिचय देने वाले वीरेंद्र सिंह पठानिया को 'वीर चक्र' से सफरफाजकिया गया था। 14 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के छह एफ-86 लडाकू विमानों ने श्रीनगर एयरफोल्ड पर हमला बोला दिया था। उस समय स्काव्वा लीडर वीरेंद्र सिंह पठानिया श्रीनगर एयरबस पर टैरिफिक कंट्रोल का कार्यभार संभाल रहे थे।

श्रीनगर एयरबेस पर हुए उस पाक फौजिआई हमले को फ्लाइंग ऑफिसर 'निर्मल जीत सिंह शेखों' ने चुनौती पेश करके पाकिस्तान के दो एफ-86 विमानों को मार गिराकर श्रीनगर एयरबेस को महफूज बचा लिया था। मगर दुश्मन के लड़ाकू विमानों का सामना करते वक़्त निर्मल जीत शेखों रणभूमि में ही बलिदान हो गए थे। दुश्मन के समक्ष उच्चकोटी के शौर्य के लिए निर्मल जीत सिंह शेखों को सर्वोच्च सैन्य पदक 'परमवीर चक्र' (भारणोपपद) से अलंकृत किया गया था। श्रीनगर एयरबेस पर पाक हमले को नाकाम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विंग कमांडर वीरेंद्र सिंह पटानिया को भी 'वायुसेना मेडल' से सम्मानित किया गया था। कोलर बंधूओं का जिक्र किए बिना वायुसेना का इतिहास अधूरा रहेगा। स्क्याडन लीडर 'देवकर वीरम' ने तीन सितंबर 1965 को छंब सेक्टर में पाक लड़ाकू एयरक्राफ्ट को जमींदोज कर दिया था। देवकर के बड़े भाई 'डैजिल कौर' ने 19 सितंबर 1965 को अम्बूर सेक्टर में पाक सेक्टर जेट को मार गिराया था। दुश्मन के समक्ष बहादुरी के

लिये दोनों कीलर भाईयो को 'वीर चक्र' प्रदान किए गए थे। 1965 की जंग में पाकिस्तान का पहला लड़ाकू एयरक्राफ्ट मार गिराने वाले पायलट ट्रेवर कीलर की तथा उसी युद्ध में पाकिस्तान का दूसरा सेबर जेट वीरेंद्र सिंह पठानिया ने ध्वस्त किया था।

नतीजतन भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता से पाक बख्तरबंद सेना लखड़ा गई थी। अफसोस रणभूमि में सदैव अपना वर्चस्व सिद्ध करने वाले वायुवीरों को भुला दिया गया। मौजूदा दौर में अंग की सूरत में वायुसेना की भूमिका बेहद जंगम है। अतः आसमान की परवाज पर अत्यन्त सहस्र का परिचय देने वाली भारतीय वायुसेना का अत्यधुनिक जंगी विमानों से लैस होना अति आवश्यक है। बहरहाल वायुसेना की विजयगम्य में दास्तान-ए-शुजात की एक समृद्ध विरासत स्थापित करने वाले जांबाज वायुवीरों की शूरवीरता का इतिहास यदि शिक्षा प्रणाल्यम में शामिल हो तो छात्र वर्ग को यकीनन प्रेरणा मिलेगी। विश्व की चौथी ताकतवर इंडियन एयर फोर्स को 91वें वायुसेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

चिंतन विचार ●

पत्नी ने मंगल अंकल से पूछ लिया था कि पहला श्राद्ध कब है, इस बहाने फसवुक भी ज्यादा पढ़ ली थी। पति ने पंडितजी से भी पूछ लिया था। वहस्तेप यूनिवर्सिटी के इतने सज्जन ब्राह्मण प्रोफेसरों की जमात तो है ही बतावे और भ्रम पैदा करने के लिए। एक महिला ने बताया उनकी बहन फलां राज्य में रहती है और वहां पूर्णमासी को श्राद्ध नहीं मनाते। उस राज्य में तो काफी कुछ नहीं मानते और छोटी सी बात मानवा-हा तो काफी कुछ कर बैठते हैं। हमारी विविध संस्कृति है जहां चाहे, जैसा मन भाए वैसा करो। पितर और भगवान तो होते ही इतने अच्छे हैं कि नामझड़ इनसान को किसी बात का बुरा नहीं मानते। कुछ क्षेत्रों में श्राद्ध, चवखो यानी मृत्यु के चार साल बाद शुरू होता है। पहले मृतक की बरसी, फिर श्राद्ध किया जाता है।

दुनियावादी स्वार्थ पूरे करने के लिए बरसरी भी कई बार तीन चार महीने बाद ही निबटा दी जाती है। आत्मा इतनी पवित्र होती है वह इसका बुरा नहीं मानती। आत्मा जो को पता होता है होगा कि दुनिया चलती रहनी है। एक बरस तो बारह महीने बाद ही पूरा होना चाहिए, लेकिन बरसरी निपटानी जरूरी है। दूसरों को खुश कर खुद को संतुष्ट रखना।

खैर, पूर्णमासी का श्राद्ध पूर्णमासी को ही किया। अमुक महिला कुछ खा सकी बाकी ले गई। दो चार जगह से खाना इकट्ठा जात होगा तो क्या करते होंगे। ऐसा सोचने के लिए माफ करना पितरों। दुनिया बिकसित होती जा रही है तो हर तफ निकास हो चुनि है और विनाश भी। पशु प्रेमी चाहें तो उनके लिए विशेष, वार्षिक पवित्र पुण्य अवसर है।

आदरणीय पितरो, माफ करना

कोए पालकर उनसे एक साल में निरंतर कुछ दिन पुण्य दिलाने और पैसे कमाने का। कोए के नाम पर रखी पुड़ी निश्चित ही बंदर ने खाई। गाय भी नहीं मिला। कोए के नाम पर सड़क किनारे रखी पुड़ी कलने के नहीं खाई होगी। उस समय तो कुत्ता भी नहीं मिला, हालाँकि रात को दस बजे के बाद, अली रात या सुबह उनका भौकना लगा रहता है। वह अलग बाद है। उनसे अप्रिय पशु को शौच करवाने के बगले निवासी सुहा-शुभान विचरते हैं और शायद वे गंदगी फैला रहे होते हैं।। कोआ, गाय और कुत्ता काफी शय आए। शस्त्रों के अनुसार तो खाना उचित पात्र को खाना चाहिए, लेकिन अब ऐसा मुश्किल हो रहा है, इसलिए माफ करना पड़ेगा। खबरें मिलती हैं श्राद्ध में इतना खाना इकट्ठा होता है कि प्रबंधन मुश्किल हो जाता है।

कितनी ही बार वह खाना कचरे के हवाले ही दिखाता है, इस बारे भी माफ करना पितरो। खाने का सामान यह विनम्र आपा दान कर दिया जाते हैं। बेहतर उपाय होगा। दिवंगत आत्माओं की निश्चित रूप से प्रेरणा होती। शास्त्रग्रन्थ परम्पराओं व नियमों में बदलाव, प्रवेश करता जा रहा है। कितनी ही क्रियाएं सामाजिक रास्ते से विमुख हो चुकी हैं। एक पंडित जी ने देखा था कि एक महिला उन्हें अपने किसी पितर के श्राद्ध के दिन भूरे और छोले पकड़ाया। वह उसे कुछ बताने, समझाने की कोशिश करते इससे पहले चली गई। शायद उसे इस बात का भान हो गया था कि उसने श्राद्ध निवटारया है। हम सबने मिलकर जमाना ताना बदल दिया है कि वापस लौटना मुश्किल है, इसलिए सभी के आदरणीय पितरों। माफ करना।

प्रभात कुमार

जीएसटी काउंसिल ने मोलासेस पर टैक्स घटाकर 5 प्रतिशत करने का लिया फैसला, ENA पर जारी रहेगी जीएसटी

जीएसटी परिषद के 52वीं बैठक में सरकार ने मोलासेस पर जीएसटी दर को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत पर करने का फैसला सुनाया है। इसके अलावा परिषद ने मानव उपभोग के लिए शराब को लेवी से छूट देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा जीएसटी परिषद ने ईएनए पर टैक्स जारी रखने का फैसला किया है।

नई दिल्ली: गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) काउंसिल की 52वीं बैठक में लिए गए फैसलों के मुताबिक सरकार ने आज मोलासेस (Molasses) पर जीएसटी को घटाया है। मोलासेस पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके अलावा जीएसटी परिषद ने मानव उपभोग के लिए शराब को लेवी से छूट देने का निर्णय लिया है।

ईएनए पर लागू रहेगा जीएसटी

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, जो जीएसटी परिषद के सदस्य हैं, ने कहा कि औद्योगिक उपयोग के लिए एक्टा न्यूट्रल



अल्कोहल (ईएनए) पर 18 प्रतिशत वस्तु जीएसटी लगता रहेगा। टीएस सिंह देव ने जीएसटी काउंसिल की 52वीं बैठक के बाद मीडिया से कहा कि मानव उपभोग के लिए ईएनए को जीएसटी से छूट दी जाएगी और इसकी सूचना सुप्रीम कोर्ट को दी जाएगी

क्या है मोलासेस ?

गन्ने का उप-उत्पाद और शराब उत्पादन के

लिए कच्चे माल के रूप में उपयोग किए जाने वाले मटेरियल को मोलासेस कहा जाता है, जिसपर वर्तमान में टैक्स को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

इन राज्यों ने उठाया जीएसटी डिमांड नोटिस का मुद्दा

टीएस सिंह देव ने कहा कि दिल्ली और गोवा जैसे राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को सरकार की ओर से भेजे गए जीएसटी

डिमांड नोटिस का मुद्दा उठाया।

मिलेट्स पर भी घटा जीएसटी

जीएसटी परिषद ने ब्रांडेड, प्री-पैकेज्ड और लेबल वाले बाजरा-आधारित आटे पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया, जबकि वजन के हिसाब से कम से कम 70 प्रतिशत अनाज वाले ब्रांडिंग के बिना लूज बाजरे के आटे पर शून्य जीएसटी लागेगा।

GSTAT अध्यक्ष और सदस्यों की बड़ी उम्र सीमा

वित्त मंत्री निर्माला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) के अध्यक्ष और सदस्यों की आयु अब अधिकतम 70 वर्ष होगी, जबकि सदस्यों की सीमा 67 वर्ष होगी। पहली जीएसटीएटी के अध्यक्ष की आयु 67 साल और सदस्यों की आयु 65 वर्ष है।

नौकरीपेशा लोगों के लिए निवेश का बेहतर ऑप्शन है Voluntary Provident Fund, जानें क्या होंगे फायदे

कामकाजी लोगों के लिए पेंशन एक जरूरी निवेश है लेकिन एक वैकल्पिक निवेश भी है जिसे वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड कहा जाता है। वीपीएफ का लाभ यह है कि यह कम जोखिम और उच्च रिटर्न वाली सरकार प्रायोजित बचत योजना है। आइए अब विस्तार से जानते हैं कि यह वीपीएफ क्या है इस पर मिलने वाली ब्याज दर क्या है और इसकी पात्रता क्या है।

नई दिल्ली: नौकरीपेशा लोगों के लिए अनिवार्य निवेश प्रोविडेंट फंड यानी पीएफ होता है। लेकिन एक ऐसा निवेश भी होता है जो वैकल्पिक यानी ऑप्शनल होता है, जिसे वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ) कहा जाता है। वीपीएफ का फायदा यह है कि यह कम जोखिम और हाई रिटर्न वाली सरकार समर्थित बचत योजना है। चलिए अब थोड़ा डिटेल में जानते हैं कि ये वीपीएफ क्या होता है, इसमें कितना मिलता है ब्याज दर, और क्या है इसकी पात्रता।

क्या होता है वीपीएफ ?

जब आप नौकरी कर रहे होते हैं तो आपको वर्तमान के साथ-साथ अपने भविष्य यानी अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग करनी होती है। नौकरी के दौरान आपको नियमित आय होती

है, इसलिए बहुत जरूरी होती है कि उसमें से कुछ पैसे आप निवेश करें ताकि उसपर आपको अच्छा रिटर्न मिल सके। कर्मचारी भविष्य निधि पीएफ की अनिवार्य श्रेणी का निवेश है, जबकि वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड एक वैकल्पिक पीएफ है। वीपीएफ, कर्मचारी द्वारा उसके भविष्य निधि (पीएफ) खाते में स्वैच्छिक निधि योगदान होता है। यह योगदान किसी कर्मचारी द्वारा अपने ईपीएफ में किए गए योगदान के 12 प्रतिशत के अतिरिक्त होता है। इसमें अधिकतम योगदान मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 100 प्रतिशत तक हो सकता है।

कौन होता है वीपीएफ के लिए पात्र ?

वैसे व्यक्ति जो संगठित क्षेत्र में काम करते हैं वे वीपीएफ के लिए पात्र हैं। वीपीएफ के लिए किसी व्यक्ति को ईपीएफ-मान्यता प्राप्त संगठन में काम करना चाहिए।

कैसे करें वीपीएफ के लिए अप्लाई ?

अगर आप भी वीपीएफ के लिए अप्लाई करना चाहते हैं तो आपको अपने कंपनी के एचआर विभाग को लिखित रूप में बताना होगा या कहे की मेल करना होगा। इसके अलावा आपको एक वीपीएफ आवेदन पत्र भरना होगा।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल कर सरकार ने बचाए 27 अरब डॉलर, लाभार्थियों को सीधे मिल रहा लाभ



डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इसके लिए सरकार नई-नई तकनीकों की भी मदद ले रही है। पिछले कुछ वर्षों में तेजी बैंक खातों की संख्या में इजाफा हुआ है। देश में आज 80 प्रतिशत लोगों के पास बैंक खाते हैं जिनकी संख्या 7 से 8 वर्ष पहले 20 प्रतिशत के आसपास थी।

नई दिल्ली। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने कहा कि डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) के जरिए भारत ने सरकारी योजनाओं में 27 अरब डॉलर बचत की है। इसके साथ ही कम समय में वित्तीय समावेशन हासिल करने में सफल हुई है।

DBT से लाभार्थियों को सीधे मिल रहा लाभ

पिछले एक दशक में डीबीटी के जरिए सही लाभार्थियों तक सरकार ने मदद पहुंचाई है। इससे बड़ी संख्या में टैक्स पेयर्स का पैसा बचत करने में मदद मिली है।

भारत में 80 प्रतिशत लोगों के पास बैंक अकाउंट

वित्तीय समावेशन के मोर्चे पर भारत ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आज के समय में भारत के 80 प्रतिशत लोगों के पास बैंक खाते हैं, जोकि 7 से 8 साल पहले 20 प्रतिशत था। अगर पहले की स्पीड से काम किया जाता तो ये आंकड़ा अगले 47 वर्षों में हासिल होता है।

डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए नई तकनीकों का उपयोग कर रही सरकार

सरकार की ओर से डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाने के लिए नई-नई तकनीकों का उपयोग

किया जा रहा है। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की ओर से क्लाउड प्लेटफॉर्म एडब्ल्यूएस आदि की मदद ली जा रही है। डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए सरकार ने एडब्ल्यूएस के साथ मिलकर कोविन, डिजिलॉकर और उमंग आदि ऐप विकसित किए हैं। इससे पब्लिक के लिए सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान हुई है।

G20 में भी रहा वित्तीय समावेशन पर फोकस

हाल ही में दिल्ली में आयोजित हुए जी20 में सरकार की ओर से भारत में किए गए वित्तीय समावेशन के बारे में दुनिया को बताया गया। कैसे इन्वैशेन के दम पर भारत ने डिजिटल लेनदेन में वो कीर्तिमान हासिल किया है जो कि विश्व के बड़े-बड़े देश हासिल नहीं कर पाए हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने आज पहली बार अपने A350 विमान की रीब्रांडिंग लोگو और पोशाक का अनावरण किया। एयर इंडिया ने हाल ही में अपने नए लोگو और पोशाक का अनावरण किया जिसके बाद एयर इंडिया ने घोषणा की कि लोग दिसंबर से कंपनी का अपडेटेड वर्जन देख पाएंगे। एयर इंडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी।

नई दिल्ली: टाटा समूह की स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने आज अपने रीब्रांड किए हुए A350 विमान के पहली झलक को दिखाया है। हाल ही में एयर इंडिया ने अपने नए लोगो और पोशाक को लॉन्च किया था जिसके बाद एयरलाइन ने कहा था कि कंपनी के रीब्रांड वर्जन को लोग दिसंबर से देख पाएंगे। एयर इंडिया ने एक्स (X) पर पोस्ट कर रीब्रांड किए गए प्लेन की पहली झलक दिखाते हुए X पर पोस्ट किया कि

अगस्त में हुआ था रीब्रांडिंग

अगस्त में, टाटा संस के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने अपने अपडेटेड लोगो और पोशाक का खुलासा किया, जो दिसंबर 2023 में बिल्कुल नए A350 विमान की डिलीवरी के साथ मेल खाएगा।

क्या है नया लोگو ?

एयर इंडिया ने रीब्रांडिंग के दौरान कहा था



कि उसके नए लोगो को 'द विस्टा' कहा जाएगा। इस नए पोशाक को एयर इंडिया ने लाल-बैंगनी-सुनहरे लुक के साथ रीब्रांड किया था। एयर इंडिया अपने पूरे बेड़े को नए स्वरूप में शामिल करने के लिए 400 मिलियन डॉलर का खर्च कर रहा है। नया रंग एक नए और अनूठे फ्रॉन्ट के साथ आता है।

स्टॉफ का यूनिफॉर्म भी हुआ चेंज

हाल ही में कंपनी ने बताया था कि एयर इंडिया के स्टॉफ के यूनिफॉर्म को भी बदला

जाएगा। आपको बता दें कि एयरलाइन के नए यूनिफॉर्म को मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा डिजाइन करेंगे।

मनीष मल्होत्रा केबिन क्रू, कॉकपिट क्रू, ग्राउंड और सुरक्षा कर्मचारियों सहित फ्रंटलाइन पर 10,000 से अधिक एयर इंडिया कर्मचारियों के लिए नई वर्दी डिजाइन करेंगे। एयर इंडिया ने बताया था कि उसे इस साल के अंत तक नई वर्दी लॉन्च करने की उम्मीद है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर खोला वेयरहाउस

एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया था कि उड़ान संचालन के दौरान कई तकनीकी समस्याओं का सामना करने के बाद, एयर इंडिया ने 1,000,000 से अधिक इंजीनियरिंग पुर्जों के भंडारण की सुविधा के लिए दिल्ली में एक वेयरहाउस सुविधा शुरू की है, जो उसके विमान और ग्राउंड सपोर्ट उपकरणों के रखरखाव, जांच और मरम्मत के लिए अभिन्न अंग है।

सितंबर तिमाही में रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 21 प्रतिशत घटा, इस वजह से आई कमी

इस साल जुलाई-सितंबर की अवधि में रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश में 21 प्रतिशत की गिरावट आई है। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स इंडिया के मुताबिक सितंबर तिमाही में सेक्टर को 793.4 मिलियन डॉलर का संस्थागत निवेश प्राप्त हुआ। कोलियर्स ने कहा कि कार्यालय संपत्तियों में कम प्रवाह के कारण कुल निवेश में गिरावट आई है।

नई दिल्ली: इस वर्ष जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश में 21 प्रतिशत की कमी रही है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट कोलियर्स इंडिया के अनुसार, सितंबर तिमाही में इस क्षेत्र में 79.34 करोड़ डालर का संस्थागत निवेश मिला है।

क्यों कम रहा निवेश ?

कोलियर्स का कहना है कि आफिस संपत्तियों में प्रवाह में कमी के चलते कुल निवेश में कमी रही है। पिछले वर्ष समान अवधि में एक 100.21 करोड़ डॉलर का संस्थागत निवेश मिला था।

कोलियर्स इंडिया की ओर से शनिवार को जारी डाटा के अनुसार, आफिस संपत्तियों में बीती तिमाही में संस्थागत निवेश में 89 प्रतिशत की भारी गिरावट रही है और इसमें केवल 7.91 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ है।



पिछले साल कितना मिला था निवेश ?

पिछले वर्ष समान अवधि में आफिस संपत्तियों में 69.43 करोड़ डॉलर का निवेश मिला था। इसी तरह मिश्रित इस्तेमाल वाली संपत्तियों में संस्थागत निवेश 73 प्रतिशत घटकर 2.72 करोड़ डॉलर रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 10.08 करोड़ डॉलर

था। हालांकि, बीती तिमाही में आवासीय संपत्तियों में संस्थागत निवेश में 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है और कुल 27.4 करोड़ डॉलर का निवेश मिला है। पिछले वर्ष समान तिमाही में आवासीय संपत्तियों में 18.7 करोड़ डॉलर का संस्थागत निवेश मिला था। इंडस्ट्रियल और वेयरहाउसिंग संपत्तियों में बीती

तिमाही में 34 करोड़ डॉलर का संस्थागत निवेश हुआ है। कुल संस्थागत निवेश में विदेशी निवेश की 77 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है। डाटा के अनुसार, जुलाई-सितंबर के दौरान भले ही संस्थागत निवेश में कमी रही है लेकिन जनवरी-सितंबर के दौरान इसमें 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही है।

सोने की कीमत में इस हफ्ते हुई गिरावट, जानिए MCX पर क्या है रेट

सोने की कीमत में इस हफ्ते गिरावट देखने को मिली है। सोने की कीमत में नरमी की वजह डॉलर की मजबूती के साथ वैश्विक कारण हैं। डॉलर इंडेक्स एक बार फिर से 105 अंक तक पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 1918 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी की कीमत 22.91 डॉलर प्रति औंस पर है।

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के कारण सोने पर दबाव बना हुआ है। इस कारण 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना का अक्टूबर का कॉन्ट्रैक्ट एमसीएक्स पर अपने उच्चतम स्तर से फिसलकर 58,907 रुपये पर आ गया है। चांदी की कीमत 71,538 रुपये प्रति किलो पर आ गई है।

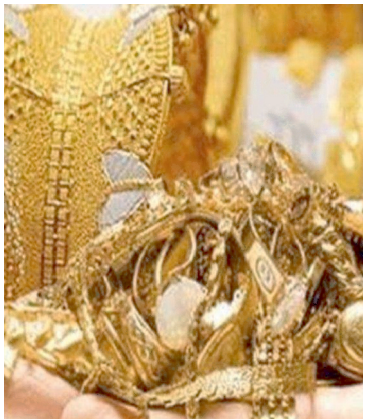
गिरा सोने का भाव

इस हफ्ते 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में गिरावट हुई है। एमसीएक्स पर करीब तीन हफ्तों के बाद ये पहला हफ्ता है जब सोने की कीमत में गिरावट हुई है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना और चांदी एक सीमित दायरे में बने हुए हैं। सोना की कीमत 1,918 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी की कीमत 22.91 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है।

किस कारण से गिरा सोने का भाव ?

सोने की कीमत में नरमी की वजह डॉलर



की मजबूती के साथ वैश्विक कारण हैं। डॉलर इंडेक्स एक बार फिर से 105 अंक तक पहुंच गया है। डॉलर में मजबूती की वजह अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उम्मीद से ज्यादा मजबूती होनी है।

इसके अलावा माना जा रहा है अमेरिकी फेड की अगली बैठक तक सोना एक सीमित दायरे में कारोबार कर सकता है। फेड की बैठक को ब्याज दर से लिए काफी अहम माना जा रहा है। कुछ समय पहले फेड की ओर से आई कमेंट्री में कहा गया था कि महंगाई के स्तर को देखते हुए एक बार फिर से ब्याज दर बढ़ने को लेकर कोई फैसला लिया जा सकता है।

पी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों का उपराज्यपाल ने लिया जायजा, कन्वेंशन सेंटर यशोभूमि में होगा आयोजन

जी-20 देशों के प्रमुखों की मेजबानी करने के बाद अब दिल्ली पी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। पी-20 शिखर सम्मेलन 12-14 अक्टूबर 2023 को अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) के सहयोग से भारतीय संसद द्वारा आयोजित किया जाएगा। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राजधानी में होने वाले नौवें पी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर द्वारका स्थित कन्वेंशन सेंटर यशोभूमि व इसके आसपास की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की।

पश्चिमी दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राजधानी में होने वाले नौवें पी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर, द्वारका स्थित कन्वेंशन सेंटर यशोभूमि व इसके आसपास की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की। इस शिखर सम्मेलन में अब केवल छह दिन शेष हैं।

यह समीक्षा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां पिछले दो वर्षों से भी अधिक समय से इस क्षेत्र में हो रही निर्माण गतिविधियों के कारण आयोजन स्थल पर

भूमिर्माण, सड़कों की मरम्मत, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का पुनरुद्धार आदि के मामले में अभी काफी काम पूरा होना बाकी है।

अधिकारियों को एलजी ने दिए निर्देश

उपराज्यपाल ने कहा कि परिसर के बाहर काफी कुछ करने की जरूरत है और परियोजना डेवलपर लार्सन एंड टुब्रो, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), एमसीडी और पीडब्ल्यूडी से आईटीपीओ में भारत मंडपम, जिहां हाल ही में जी-20 शिखर सम्मेलन संपन्न हुआ था, की तर्ज पर आपसी समन्वय बनाते हुए कन्वेंशन के आसपास के क्षेत्र को विकसित करने के लिए कहा।

उपराज्यपाल ने मौके पर ही दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ प्रतिनिधियों की आवाजाही के लिए यातायात व्यवस्था को लेकर चर्चा की और निर्बाध परिवहन और यातायात संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिनिधियों द्वारा उपयोग में किए जाने वाले मार्ग से मलबा, बैरिकेड, क्रैश बैरियर और अवैध होर्डिंस को हटाने के लिए विशेष निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कन्वेंशन सेंटर के गेट नंबर छह के आसपास भूमिर्माण और



सौंदर्यीकरण के अलावा, जहां से वीआईपी कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करेंगे, सभी नागरिक एजेंसियों और एनएचएआई से उस क्षेत्र को साफ रखने का निर्देश दिया है।

स्ट्रीट लाइटों को जल्द ठीक करने का निर्देश

दिल्ली पुलिस को कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास पीसीआर वैन, एम्बुलेंस और फायर टेंडर की तैनाती का काम सौंपा गया है। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के चारों तरफ सही

ब्राडिंग साइनेज, झंडे लगाने के लिए पोल लगाने को भी कहा और विशेष रूप से गेट नंबर 1 और 4 के बीच खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को जल्द से जल्द ठीक करने के निर्देश दिए। उन्होंने वन विभाग को 10 अक्टूबर तक 10,000 फूलों के पौधे वाले गमले उपयुक्त ढंग से लगाने का निर्देश दिया गया, जिससे 12 तारीख को शिखर सम्मेलन शुरू होने पर उनमें फूल खिल सकें। उपराज्यपाल के साथ इस मौके पर मुख्य सचिव, एनडीएमसी

दिल्ली के प्रदूषण में 23 प्रतिशत तक हुई पराली के धुएं की हिस्सेदारी, पंजाब में पिछले दो साल का टूटा रिकॉर्ड

राष्ट्रीय राजधानी के वायु प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत तक पहुंच गई है। आलम यह है कि पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने संबंधी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) हरियाणा और पंजाब सरकार के तमाम दावे इसके धुएं में ही हवा हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी पराली जलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के वायु प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत तक पहुंच गई है। आलम यह है कि हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश में चार साल की सर्वाधिक घटनाएं सामने आ रही हैं तो पंजाब में पिछले दो साल का रिकार्ड टूट गया है। 2020 की

उत्तर प्रदेश में भी पराली जलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। आलम यह है कि हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश में चार साल की सर्वाधिक घटनाएं सामने आ रही हैं तो पंजाब में पिछले दो साल का रिकार्ड टूट गया है। 2020 की



खासतौर पर पंजाब और हरियाणा के खेतों में जलाई जाने वाली पराली से उठने वाला धुआं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का बम घोटला रहा है।

नाकाफी साबित हुए तमाम उपाय

पराली को जलाने से रोकने के लिए किए गए तमाम उपाय भी अभी तक नाकाफी साबित हुए हैं। इस साल भी 15 सितंबर से पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की जाने लगी थीं। छह अक्टूबर तक 1,160 घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) की रियल टाइम मानिट्रिंग के मुताबिक अभी तक

तुलना में यहां जरूर कुछ कमी है।

पराली का धुआं एक बार फिर दिल्ली-एनसीआर की हवा को खराब करता हुआ दिख रहा है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में हर साल धान की फसल के बाद उसके बचे हुए हिस्से को खेत में ही जला देने का चलन रहा है।

सर्वाधिक 845 मामले पंजाब में रिकार्ड हुए हैं। 209 मामलों के साथ हरियाणा दूसरे जबकि 106 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश तीसरे नंबर पर है। पराली जलाने के मामलों में इस माह और ज्यादा तेजी आने के आसार हैं। हैरत की बात यह है कि पराली जलाने की घटनाओं पर

दिल्ली में गहराते जा रहा सांसें का संकट, बचाव के लिए डॉक्टरों ने दी एक परिवार, एक गाड़ी की सलाह



देश में सांस की बीमारी बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण प्रदूषण बन रहा है। इंडियन चैस्ट सोसाइटी द्वारा दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में डाक्टरों ने सांस की बढ़ती परेशानी पर चिंता जाहिर की और कहा कि सांसें पर प्रदूषण की मार रोकने के लिए सरकार को एक परिवार एक वाहन या अधिकतम दो वाहन की सख्त नीति बनानी होगी।

नई दिल्ली। देश में सांस की बीमारी बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण प्रदूषण बन रहा है। इंडियन चैस्ट सोसाइटी द्वारा दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में डाक्टरों ने सांस की बढ़ती परेशानी पर चिंता जाहिर की और कहा कि सांसें पर प्रदूषण की मार रोकने के लिए सरकार को एक परिवार एक वाहन या अधिकतम दो वाहन की सख्त नीति बनानी होगी। साथ ही डाक्टरों ने गरीबों को निशुल्क रसोई गैस सिलेंडर देने की उज्ज्वला गैस योजना की सराहना की।

अस्थमा से पीड़ित है करीब 3.5 करोड़ लोग इंडियन चैस्ट सोसाइटी के निर्वाचित सचिव डॉ. राजा धर ने कहा कि भारत में सीओपीडी (क्रोनिक आब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) के 6.5 करोड़ मरीज हैं, जो यूरोप से करीब दोगुना है। इसके अलावा अस्थमा से करीब 3.5 करोड़ लोग पीड़ित हैं।

इस तरह सीओपीडी और अस्थमा को मिलाकर दस करोड़ लोगों को सांस की पुरानी बीमारी है। दुनिया में अस्थमा से होने वाले 43 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं। इसके अलावा टीबी, निमोनिया सहित कई अन्य फेफड़े की बीमारियां भी बड़ी समस्या हैं।

जनरल मेडिसिन के डाक्टर के पास ओपीडी में दस में से छह मरीज सांस की बीमारियों के साथ पहुंचते हैं। फिर भी अभी इस बात पर चर्चा हो रही है कि यह एमबीबीएस पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए या नहीं। यदि डाक्टरों को पूरी जानकारी नहीं होगी तो वे इलाज कैसे कर पाएंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. राकेश चावला ने कहा कि धूमपान व गांवों और छोटे शहरों में खाना बनाने के लिए कोयला, उपले, लकड़ी जैसे ईंधन का इस्तेमाल सीओपीडी और अस्थमा जैसी बीमारियों का एक अहम कारण है। इसके अलावा प्रदूषण के कारण बड़ी संख्या में लोग सांस के मरीज हो रहे हैं।

दिल्ली में प्रदूषण का एक बड़ा कारण सड़कों पर वाहनों का अधिक दबाव है। एक परिवार में कई-कई गाड़ियां हैं। दिल्ली में ऐसे परिवार भी, जिसके हर सदस्य के बाद व्यक्तिगत कार है। इससे सीमित करने की नीति तैयार करनी होगी। साथ ही समाज में कार पूलिंग जैसी व्यवस्था विकसित करनी होगी। इससे 50 प्रतिशत प्रदूषण कम किया जा सकता है। इसके अलावा धूमपान के कारण होने वाले नुकसान को बड़े स्तर पर प्रचारित करना होगा। सरकार को धूम्रपान और सिगरेट, बीड़ी के उत्पादन पर रोक लगाना चाहिए।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने की तैयारी, 200 एंटी-स्मॉग गन की तैनाती करेगी केजरीवाल सरकार

दिल्ली सरकार राजधानी में इस साल 200 एंटी-स्मॉग गन तैनात करने की योजना बना रही है। उन्होंने अपनी आवश्यकता के अनुसार एंटी-स्मॉग गन की खरीद के लिए निविदाएं जारी की हैं। इस साल हमने धूल प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 200 एंटी-स्मॉग गन तैनात करने की योजना बनाई है। नौ अक्टूबर से शुरू होने वाले धूल रोधी अभियान के तहत एंटी-स्मॉग गन की तैनाती की जाएगी।

दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी में इस साल 200 एंटी-स्मॉग गन तैनात करने की योजना बना रही है। अधिकारियों ने बताया कि नौ अक्टूबर से शुरू होने वाले धूल रोधी अभियान के तहत एंटी-स्मॉग गन की तैनाती की जाएगी। पीडब्ल्यूडी ने पहले ही विभिन्न सगडिवीजनों से एंटी-स्मॉग गन किराए पर लेना शुरू कर दिया है।

पिछले साल 150 एंटी-स्मॉग गन की हुई थी तैनाती



एक अधिकारी ने बताया कि पीडब्ल्यूडी के तहत लगभग 19 उप-मंडल हैं। उन्होंने अपनी आवश्यकता के अनुसार एंटी-स्मॉग गन की खरीद के लिए निविदाएं जारी

करंट से होने वाली दुर्घटनाओं पर विद्युत कंपनियों को देना होगा मुआवजा, केजरीवाल ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

दिल्ली में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने और पीड़ितों को वित्तीय मदद पहुंचाने के लिए जल्द ही नियम लाए जाएंगे। दिल्ली सरकार के निर्देश पर ये नियम दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (डीईआरसी) बनाएगी। इस संबंध में दिल्ली सरकार के विद्युत विभाग की तरफ से मिले प्रस्ताव को सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी है।

नई दिल्ली। दिल्ली में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने और पीड़ितों को वित्तीय मदद पहुंचाने के लिए जल्द ही नियम लाए जाएंगे। दिल्ली सरकार के निर्देश पर ये नियम दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (डीईआरसी)

बनाएगी। इस संबंध में दिल्ली सरकार के विद्युत विभाग की तरफ से मिले प्रस्ताव को सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी है।

नियम आने के बाद विद्युत कंपनियों को अपना इन्फ्रास्ट्रक्चर और मजबूत करना होगा ताकि कोई दुर्घटना ही न हो और अगर कोई दुर्घटना होती है तो फिर विद्युत कंपनियां पीड़ित को उचित वित्तीय सहायता देने के लिए बाध्य होंगी।

एलजी के पाले में गेंद

सीएम से अप्रुवल मिलने के बाद अब प्रस्ताव एलजी के पास भेजा जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद केजरीवाल सरकार डीईआरसी को जल्द से जल्द नियम बनाने के लिए आदेश जारी करेगी। दिल्ली के विद्युत मंत्रालय ने एक प्रस्ताव लाया था कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट के तहत डीईआरसी को

नियम बनाने के लिए आदेश जारी किया जाए। जिसके तहत दिल्ली विद्युत नियामक आयोग बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने और पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए विस्तृत गाइडलाइन तैयार करे, जिससे कि बिजली कंपनियां कानूनी रूप से बाध्य हों।

दरअसल, अभी तक दिल्ली में करंट से होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं है। इस वजह से अगर कोई बिजली लगने से घायल हो जाता था या फिर किसी की मौत हो जाती है तो विद्युत कंपनियां पीड़ित या उसके परिवार को वित्तीय सहायता देने के लिए बाध्य नहीं होती हैं। ऐसे में करंट लगने से पीड़ित परिवारों को समय से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल पाती है और उनको परेशानी का सामना करना पड़ता है।



सिक्किम प्रलयाकारी बढ़ की बजे से ढेंकानल जिले ने एक वीर पुत्र जवान श्री सरोज दास को हराया और एक ही परिवार के तीन लोगों को किया लापता

मनोरंजन सासमल , ओड़िसा

भुबानेश्वर। सिक्किम की प्रलयकारी बाढ़ में लापता 23 यवनों में से एक, केंदुधिराप गांव के रूढ़िवादी यवन सरोज दास शहीद हो गए हैं। हालांकि, सिक्किम की इस घटना में ढेंकनाल की तीन युवतियां भी लापता दिख रही हैं. सभी लापता युवक-युवतियां ढेंकनाल जिले के सदर थाना अंतर्गत सिमिनी पंचायत के हैं. लापता लोगों में सिमिनी गांव के चन्द्रशेखर सिंह, अंकरांतीपुर नुआगांव साहिर के निर्लम नाथ और अंकरांतीपुर की प्रमोदिनी जेना नामक युवती शामिल हैं। लापता व्यक्ति की उम्र 24 से 25 साल मानी जा रही है. ये सभी दोस्त थे और पिछले साल गंगटोक गए थे। हालांकि, सिक्किम पहुंचने के बाद बेटे से आखिरी बार फोन पर संपर्क पिछले मंगलवार दोपहर को हुआ था. लेकिन उसके बाद से लापता चन्द्रशेखर की मां ने खुलासा किया है, जिनका मोबाइल बंद है और अब उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है. बच्चे की वापसी की राह देख घर में आंसू छलक रहे हैं। घर में चूल्हा नहीं जला।और हर कोई, यहाँ तक कि परिवार, दोस्त और गाँव वाले भी डर में पड़ गए हैं। अब तक लापता चन्द्रशेखर का परिवार ढेंकनाल जिला कलेक्टर के दरवाजे पर आया है और बचाव की गुहार लगाई है. उधर, चौद्दार से उनके साथ गए उनके कुछ साथियों के परिजनो से संपर्क करने पर उनके ठीक होने की जानकारी मिलने पर लापता निर्मल के परिवार को थोड़ी उम्मीद जगी है, लेकिन वे सकुशल वापसी की राह तलाश रहे हैं।. इस संबंध में सिक्किम के जिलाधिकारी से संपर्क किया गया है जो उन्हें बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

'मेरी अंतरात्मा साफ, कोई अपराध नहीं किया', दोहरे हत्याकांड में दोषी चिंतन ने अदालत में कही ये बात

दोषियों की सजा पर दलीलें सुनने से पहले अदालत ने दोषियों से पूछा कि क्या उन्हें फैसले पर कुछ कहना है। इस पर चिंतन ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मेरी अंतरात्मा साफ है, मैंने कोई अपराध नहीं किया है। मैं निर्दोष हूं।

मुंबई की सत्र अदालत द्वारा कलाकार चिंतन उपाध्याय को अपनी पत्नी और उसके वकील हरेश भमबानी की हत्या करने के आरोप में अपराधी ठहराया गया है। अब उन्होंने शनिवार को अदालत में कहा कि उनकी 'अंतरात्मा' साफ है। उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वे 'दया की मांग' नहीं कर रहे हैं, अदालत जो भी सजा तय करेगी वे उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। बता दें कि आज अदालत ने उनको सजा की अवधि पर दलीलें सुनीं। बता दें कि अदालत ने कलाकार चिंतन उपाध्याय को मामले में अपराधी ठहराया है। उम्मीद है कि अदालत 10 अक्टूबर को सजा पर फैसला करेगी। इंस्टालेशन आर्टिस्ट हेमा उपाध्याय और भमबानी की हत्या 11 दिसंबर 2015 में हुई थी। हत्या के बाद उनके शव को कार्टों के बक्से में भर दिया गया था। दोनों का शव मुंबई के कांदिवली इलाके के पास पाया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एसबाई भोसले ने चिंतन उपाध्याय को पांच अक्टूबर को अपनी पत्नी को मारने के लिए उकसाने और साजिश रचने का दोषी ठहराया था। चिंतन उपाध्याय को आईपीसी की धारा 120 (बी) (अपराधिक साजिश) और 109 (उकसाने) के तहत दोषी पाया गया। दोषी ठहराए जाने के बाद जमानत पर बाहर आए कलाकार को शनिवार तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। उनके अलावा अन्य आरोपी विजय राजभर, प्रिंस राजभर, शिवकुमार राजभर और अजाद राजभर को भी दोषी करार दिया गया है। ये तीनों फरार आरोपी आर्ट फैंब्रिकेटर विद्याधर राजभर के साथ काम करते थे। शनिवार को दोषियों की सजा पर दलीलें सुनने से पहले अदालत ने दोषियों से पूछा कि क्या उन्हें फैसले पर कुछ कहना है। इस पर चिंतन ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मेरी अंतरात्मा साफ है, मैंने कोई अपराध नहीं किया है। मैं निर्दोष हूं। हालांकि, अदालत ने मुझे दोषी पाया है, कोई दया नहीं दिखाई जानी चाहिए। अदालत जो भी सजा तय करेगी, मैं उसे स्वीकार करने के लिए तैयार हूं। इस दौरान, विशेष लोक अभियोजक वैभव बागडे ने आरोपी के लिए मौत की सजा की मांग की। उपाध्याय के बयान पर वकील ने कहा कि आरोपी द्वारा अपनाया गया रुख संबंधित अपराध को करने के उसके 'दृढ़ संकल्प' को दर्शाता है। बागडे ने कहा, यह नृशंस और सोची-समझी हत्या थी। इसके लिए मौत की सजा दी जानी चाहिए।

एआई टूल करता है भूकंप की 70 प्रतिशत सटीक भविष्यवाणी; नए शोध में हुआ खुलासा

शोधकर्ताओं ने कहा कि ये नतीजे एक साप्ताहिक पूर्वानुमान में आए थे। जिसमें एआई टूल ने लगभग 200 मील या 320 किलोमीटर के भीतर 14 भूकंपों की सफलतापूर्वक भविष्यवाणी की थी। हालांकि, एआई-टूल एक भूकंप के बारे में भविष्यवाणी करने से चूक गया था। साथ ही आठ भविष्यवाली गलत निकलीं।

हाल के दिनों में आए कई भूकंप के कई झटकों के बाद इसकी भविष्यवाणी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच एक नए शोध में पता चला है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित टूल्स ने भूकंप की 70 फीसदी सटीक भविष्यवाणी की। ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय (यूटी) के शोधकर्ताओं ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी में सात महीने की टैस्टिंग के दौरान भूकंप आने से एक सप्ताह पहले ही एआई टूल्स ने उसकी 70 प्रतिशत सटीक भविष्यवाणी की। शोधकर्ताओं ने कहा कि ये नतीजे एक साप्ताहिक पूर्वानुमान में आए थे। जिसमें एआई ने लगभग 200 मील या 320 किलोमीटर के भीतर 14 भूकंपों की सफलतापूर्वक भविष्यवाणी की थी। हालांकि, एआई-टूल एक भूकंप के बारे में भविष्यवाणी करने से चूक गया था। साथ ही आठ भविष्यवाली गलत निकलीं। शोधकर्ताओं ने कहा कि एआई टूल को वास्तविक समय के भूकंपीय डेटा में सांख्यिकीय बढोतरी का पता लगाने के लिए प्रोग्राम किया गया था। ये अध्ययन सीस्मोलॉजिकल सोसायटी ऑफ अमेरिका के जर्नल बुलेटिन में प्रकाशित हुआ है।